



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 26]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 28, 1975 (आषाढ 7, 1897)

No. 26]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 28, 1975 (ASADHA 7, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेस विभाग और भारत सरकार के संसद और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

**Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India**

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 मई 1975

सं. ए० 32013/3/74-प्रशा० I — भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के अधिकारी श्री क० वै० रामकृष्णन को, जिन्हे इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-11-74 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 28-2-75 तक संयुक्त सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 1-3-1975 से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में उसी हैमियात में स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

पी० एन० मुखर्जी  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 मई 1975

सं. ए० 38014/6/74-प्रशा० III — संघ लोक सेवा आयोग में क० स० म० संवर्ग के स्थायी महायक श्री० 126GI/75

स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी की बी० टी० खूबचन्दानी को उनके स्वयं के अनुरोध पर राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० जा० संख्या 33/12/73 स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31 मार्च, 1975 के अपराह्न से सरकारी सेवा में निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

सं. ए० 38014/3/74-प्रशासन-III — संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री जी० आर० मेहता को, राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क), दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31 मार्च, 1975 के अपराह्न से वादर्थक्य निवर्तन आयु हो जाते के कारण सरकारी सेवा में निवृत्ति की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

दिनांक, 15 मई 1975

सं. ए० 12025 (II) /2/74-प्रशा० III — इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ए० 32014/1/75-प्रशा० III, दिनांक 19 अप्रैल, 1974 में आंशिक सशोधन करते हुए तथा कार्मिक विभाग के क० जा० सं० 5/44/74 सी० एस० (I), दिनांक 4 मार्च, 1975 के साथ पठित मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

के कां ज्ञा० स० 5/44/74-स०० प००० (१) दिनाक 28 दिसम्बर, 1974 के अनुसरण में सध लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सर्वगं वे स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री योगेन्द्र नाथ को, राष्ट्रपति द्वारा 1 अप्रैल, 1975 से आगामी आदेशो तक उक्त सर्वगं के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनाक 20 मई, 1975

स० ए० 32013/1/75-प्रशा०० I — केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री ए० गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 14-4-75 से 24-5-75 (दोनों दिनों सहित) 41 दिन की प्रवधि के लिए उक्त सेवा के चप्तन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० ए० मुख्यमंत्री,  
अध्यक्ष सचिव,  
(प्रशासन प्रभारी)  
सध लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

समन्वय निदेशालय (प्रगति वेतार)

नई दिल्ली, दिनाक 23 मई 1975

क्रम स० ए० 36/188/7 संबंधार — कार्यालय महालेखाकार, डाकन्तार, दिल्ली से श्री डी० चार० शिवारमेंद्रा ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) नई दिल्ली के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर लेखा अधिकारी वे पद का दिनाक 6-8-74 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि 16 नामांग प्रतिनियुक्ति-नियमानुसार कार्य भार गृहण किया।

छत्रपति जोगी,  
निदेशक,  
पुलिस बेतार

केन्द्रीय अनुवाद अ०

नई दिल्ली 16 दिनाक

स० 11 (1) 25/72-प्रशासन — केन्द्रीय अनुवाद अ० को वरिष्ठ अनुवादक कुमारी रमेल मल्होत्रा को दिनाक 1-5-75 से तर्यां आधार पर अनुवाद अधिकारी के पद पर प्रगले आदेश जारी होने तक नियुक्त किया जाता है।

गोविन्द मिश्र,  
निदेशक

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

महानिरीक्षक वा कार्यालय

नई दिल्ली-110003 दिनाक, 10 मार्च 1975

स० ई० 28013/5/74-प्रशा०० — निवर्तन पद, श्री प्रम० पल० पुरी, आई० पी० प००० (प्राप्ति-1946) ने दिनाक 28 फरवरी 75 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, के उप-महानिरीक्षक (भुख्यालय) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

प्रम० ए० प्रियं,  
महानिरीक्षक

केन्द्रीय राजस्व नियवन प्रयोगशाला

दिल्ली, दिनाक 30 अप्रैल 1975

स० 7/ 1975 — स्थानान्तर होने पर श्री रामानन्द सिंह यादव, सहायक राजस्व परीक्षक, राजकीय अफीम व भाराम कारखाना, गाजीपुर ने दिनाक 7 अप्रैल, 1975 (पू०) से नवीन सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई में उसी अमता में कार्यभार सभाल लिया है। सी० न० 4-एडम० /75।

वे० सा० रामनाथन

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
कार्यालय महालेखाकार, गुजरात  
अहमदाबाद, दिनाक 1975

महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद के आधीन लेखा सेवा के निम्न लिखित स्थायी सदस्यों को उनके सामने बनाए हुए दिनाक से लेकर अगला आदेश मिलने तक, महालेखाकार गुजरात, अहमदाबाद के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।—

क्रम 1	नाम 2	दिनाक 3
1	श्री ए० किस्णमूर्ति	1-1-1974
2	श्री जे० नटराजन	15-1-1974
3	श्री ए० रामस्वामी (2)	13-5-1974
4	श्री ए० जी० राघु	15-5-1974
5	श्री डी० जे० जोशी	15-5-1974
6	श्री आर० आर० पटेल	15-5-1974
7	श्री यु० पी० देसाई	17-5-1974
8.	श्री जे० जी० व्याम	11-6-1974

1	2	3
9.	श्री एन० पी० डॉगरे	11-6-1974
10.	श्री श्री० नारायणन	3-7-197
11.	श्री एस० पी० राव	22-7-1974
12.	श्री कियालसिंह	26-7-1974
13.	श्री एन० एस० परीख	26-7-1974
14.	श्री एस० स्वामीनाथन	26-7-1974
15.	श्री एस० सुब्रगणीयम	26-9-1974
16.	श्री के० बी० एस० राव	
17.	श्री एच० एस० वी० मूर्ति	1-2-1975
18.	श्री सी० गोपीनाथ	1-3-1975
19.	श्री आर० के० गाधी	11-3-1975
20.	श्री बी० एस० पारेख	11-3-1975
21.	श्री एम० सी० हजारीपाला	21-8-1975
22.	श्री डी० जगन्नाथन	21-8-1975

अपठनीय  
उप महालेखाकार (प्रशासन)  
महालेखाकार गुजरात, अहमदाबाद

कार्यालय महालेखाकार एक, मध्यप्रदेश,  
ग्वालियर, दिनांक 5 मई 1975

प्रशासन एक / 41 :— कार्यालय महालेखाकार, मध्यप्रदेश, ग्वालियर के स्थायी लेखा अधिकारी, श्री स्वामीशरण दास, जो कि वर्तमान में चीफ इंजीनियर, गंगा बसीन, मध्यप्रदेश, रीवा के कार्यालय में प्रनिनियुक्ति पर है, को अधिवार्षिक की आयु हो जाने पर दिनांक 31-10-75 को अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है :

सं० प्रशासन एक / 42 :— कार्यालय महालेखाकार, मध्यप्रदेश, ग्वालियर के स्थायी लेखा अधिकारी, श्री डी० के० शीहुरकर, जो कि वर्तमान में इंजीनियर-इन-चीफ, पी० डब्ल्यू० डी० (डी० एण्ड आर०) मध्य प्रदेश, भोपाल के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर है, को अधिवार्षिक की आयु हो जाने पर दिनांक 31-10-1975 को अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

सं० प्रशासन एक / 43 :— कार्यालय महालेखाकार, मध्यप्रदेश, ग्वालियर के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी, श्री ए० पी० सिह, को अधिवार्षिकी आयु हो जाने पर दिनांक 31-7-1975 को अपराह्न से शासकीय सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

अपठनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, बिहार

रांची, दिनांक 1975

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री जगपति लाल दास स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 5-4-75 के अपराह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षक के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं ।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री सुबोध-क्षमार देव स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 28-4-75 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं ।

अपठनीय  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०),  
बिहार

ग्वालियर, दिनांक 17 मई 1975

क्रमांक प्रशासन एक / 670 — महालेखाकार मध्य प्रदेश एक, ग्वालियर ने श्री एम० एम० गयजादा, स्थायी अनुभाग अधिकारी, को दिनांक 9-5-75 पूर्वाह्न से, अन्य आदेश द्वाने तक, लेखा अधिकारी, के पद पर नियुक्त किया है ।

एम० एम० नरसिंहानी  
उप महालेखाकार/प्रशासन.

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक,

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1975

सं० 18264/प्रशा०-II — 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री कालिका दास राय रक्षा लेखा उप नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) को 30-6-75 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना वो अन्तरित कर दिया जाएगा और उनका नाम विभाग की नकरी से निकाल दिया जाएगा ।

दिनांक, 17 मई 1975

सं० 40011 (1) / 75/प्रशा०-ए० — रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को स्थानापन्थ लेखा अधिकारियों के रूप में आगामी आदेश पर्यन्त प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से एतद्वारा नियुक्त करते हैं:-

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत है	तारीख
	सर्वे श्री	सर्वश्री	
1.	एस० एल० शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	2-9-1974 (पूर्वाह्न)
2.	रामकृष्ण बशिष्ठ	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	11-12-1974 (पूर्वाह्न)
3.	कंबल नैन एलावादी	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	27-2-1975 (पूर्वाह्न)
4.	हरबंस सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रण (वायु सेना) देहरादून,	1-3-1975 (पूर्वाह्न)
5.	अमरिक सिंह पाल	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान मेरठ	3-3-1975 (पूर्वाह्न)
6.	एस० नीला कठन	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	10-2-1975 (पूर्वाह्न)
7.	जसवन्त राय मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्थ रैक), उत्तर, मेरठ	21-3-1975 (पूर्वाह्न)
8.	गोविंद लाल मुखर्जी	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	28-2-1975 (पूर्वाह्न)
9.	एस० ए० कुलकर्णी	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्थ रैक), दक्षिण मद्रास	3-3-1975 (पूर्वाह्न)
10.	एन० एल० गोगिया	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	28-2-1975 (पूर्वाह्न)
11.	सोहन लाल	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना	28-2-1975 (पूर्वाह्न)
12.	ऊधो दयाल शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	10-3-1975 (पूर्वाह्न)
13.	स्वन्दर सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-2-1975 (पूर्वाह्न)
14.	बी० एन० गगांधरन् नायर	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	20-2-1975 (पूर्वाह्न)
15.	सुन्दर लाल सिक्का	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज, कलकत्ता	7-3-1975 (पूर्वाह्न)
16.	टी० के० कल्याण रमन	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कल- कत्ता,	22-1-1975 (पूर्वाह्न)
17.	मदन मोहन कपूर	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	11-3-1975 (पूर्वाह्न)
18.	बी० एस० थापर	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	4-3-1975 (पूर्वाह्न)
19.	पी० महादेवन	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना), बम्बई	1-3-1975 (पूर्वाह्न)
20.	एस० भार्यिन	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौसेना), बम्बई	1-3-1975 (पूर्वाह्न)

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत है	तारीख
सर्व श्री			
21.	जोगा सिंह	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	1-3-1975 (पूर्वाह्न)
22.	पूर्णानन्द शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ	4-3-1975 (पूर्वाह्न)
23.	पिंय कुमार सूरी	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	7-3-1975 (पूर्वाह्न)
24.	रामदेव चौपड़ा	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून	17-3-1975 (पूर्वाह्न)
25.	ब्रजराज सहगल	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	13-3-1975 (पूर्वाह्न)
26.	जगन्नाथ मल्होत्रा	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून	26-3-1975 (पूर्वाह्न)
27.	मोहन लाल शर्मा	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ	12-3-1975 (पूर्वाह्न)
28.	आर० सुब्रह्मनियम	रक्षा लेखा नियंत्रक (वेशन), इलाहाबाद	10-3-1975 (पूर्वाह्न)
29.	परमोत्तम लाल सियाल	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून	7-3-1975 (पूर्वाह्न)
30.	ए० जी० कंमल	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक), दक्षिण, मद्रास	29-3-1975 (पूर्वाह्न)

एस० के० सुन्दरसृ,  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं  
नई दिल्ली

सं० ए० प्रशासन/130/75 —निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं अधीन लेखा सेवा के विभिन्नलिखित स्थायी सदस्यों को उन के नाम के सामने दी गई तिथि से स्वानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में आगामी आदेश पर्यन्त सहृदयी नियुक्त करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गई	नियुक्ति की तिथि
सर्व श्री			
1.	जी० एस० शर्मा	वरिष्ठ उपनिदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, दक्षिणी कमान, पूर्ण	29-3-1975
2.	एस० आर० पुरी	वरिष्ठ उप मुख्य ] लेखा परीक्षा, आयुक्त फैक्ट्री जबलपुर	31-3-1975

1	2	3	4
	सर्वश्री		
3.	सी० धी० सेक्सेना	वरिष्ठ उप निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, मध्य कंमान, मेरठ	24-3-1975
4.	आर० अनन्थ स्वामी	निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली	3-4-1975
5.	एस० एन० देवराम	लेखा परीक्षा प्रधिकारी, रक्षा सेवाएं, दिल्ली छावनी	16-4-1975

गिरिजा द्विश्वरन,  
प्रवर उप निदेशक,  
लेखा परीक्षा,  
रक्षा सेवाएं

धर्म मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद दिनांक 17 मई 1975

सं० 9(1)/75-प्रशासन-6076—1. दक्षिणी क्षेत्र, उरगांव, म्यानान्तरित होने पर श्री एम० संकरन, खान सुरक्षा निदेशक, मध्य क्षेत्र, नागपुर ने अपने नागपुर स्थित कार्यालय का पदभार 2 मार्च, 1974 अपराह्न को त्याग कर, खान सुरक्षा निदेशक, दक्षिणी क्षेत्र, उरगांव का पदभार 15 मार्च, 1974 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

2. मुख्यालय, धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री ए० एस० सिन्हा, खान सुरक्षा सह निदेशक, अजमेरसह क्षेत्र, ने अपने अजमेर स्थित कार्यालय का पदभार 26 जून, 1974 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा सह निदेशक, मुख्यालय, धनबाद का पद भार 1 जुलाई, 1974 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

3. कोडरमा सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री जी० एस० इच्छापुरानी खान सुरक्षा सह-निदेशक, रांची सह क्षेत्र ने अपने रांची स्थित कार्यालय का पदभार 17 मई, 1974 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा सह-निदेशक कोडरमा सह-क्षेत्र का पदभार 22 मई, 1974 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

4. अजमेर सह-क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एम० एल० भुखर्जी, खान सुरक्षा, सह-निदेशक, शहडौल सह-क्षेत्र, ने अपने शहडौल स्थित कार्यालय का पदभार 20 जुलाई, 1974 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा सह-निदेशक, अजमेर सह-क्षेत्र कार्यालय का पद भार 26 जुलाई, 1974 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

5. रांची सह-क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री जे० सी० अगरवाल खान सुरक्षा सह निदेशक, कोडरमा सह क्षेत्र ने अपने कोडरमा स्थित कार्यालय का पदभार 30 मई, 1974 अपराह्न को त्याग कर खान

सुरक्षा सह-निदेशक रांची सह-क्षेत्र कार्यालय का पदभार 7 जून, 1974 अपराह्न में ग्रहण किया।

6. मुख्यालय धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री नेत्रानन्द मिश्र, खान सुरक्षा, यह निदेशक, धनबाद सह-क्षेत्र संख्या 2 ने अपने कार्यालय का पदभार 4 मई, 1974 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा सह निदेशक (एम०डी०) मुख्यालय धनबाद कार्यालय का पदभार, अर्जित छुट्टी उपभोग करने के बाद, 10 जून 1974 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

7. सीतारामपुर सह-क्षेत्र संख्या 2 स्थानान्तरित होने पर श्री एन० के० बसाक, खान सुरक्षा सह निदेशक, सीतारामपुर ने अपने कार्यालय का पदभार 1 जुलाई, 1974 पूर्वाह्न को त्याग कर उसी समय खान सुरक्षा सह निदेशक सीतारामपुर सह-क्षेत्र संख्या 2 का पदभार ग्रहण किया।

8. शहडौल सह-क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री भी० पी० पर्ती, खान सुरक्षा सह निदेशक, सीतारामपुर सह-क्षेत्र संख्या 2 ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 15 जुलाई, 1974 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा, सह-निदेशक, शहडौल सह-क्षेत्र का पदभार 23 जुलाई, 1974 अपराह्न को ग्रहण किया।

9. सीतारामपुर सह-क्षेत्र सं० 3 स्थानान्तरित होने पर श्री ए० एम० रेणु खान सुरक्षा उप निदेशक, धनबाद सह-क्षेत्र संख्या 2 ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 20 जुलाई, 1974 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप-निदेशक सीतारामपुर सह-क्षेत्र सं० 3 का पद भार 29 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न की ग्रहण किया।

10. धनबाद उत्तरी क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री आर० एस० मिश्र, खान सुरक्षा उप निदेशक, नागपुर सह-क्षेत्र ने अपने नागपुर स्थित कार्यालय का पद भार 14 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक (व्यवसायिक प्रशिक्षण)

उत्तरी क्षेत्र कार्यालय का पदभार 4 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्नि को ग्रहण किया।

11. नागपुर सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री ग० टथुभासूर्य खान सुरक्षा उप निदेशक (व्यवसायिक प्रशिक्षण) मध्य क्षेत्र, नागपुर ने अपने नागपुर स्थित कार्यालय का पदभार 14 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्नि को त्यागकर, खान सुरक्षा उप-निदेशक नागपुर सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार उसी समय ग्रहण किया।

12. उत्तरी क्षेत्र धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री टी० के० मजूमदार, खान सुरक्षा उप निदेशक, उत्तरी क्षेत्र (व्यवसायिक प्रशिक्षण) ने अपने इस कार्यालय का पदभार 4 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्नि को त्याग कर उसी समय खान सुरक्षा उपनिदेशक उत्तरी क्षेत्र, धनबाद कार्यालय का पदभार ग्रहण किया।

13. सीतारामपुर स० 3 सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री आर० सी० चौधरी, खान सुरक्षा उप निदेशक, अजमेर सहक्षेत्र ने अपने अजमेर स्थित कार्यालय का पदभार 21 जून, 1974 के पूर्वाह्नि को त्याग कर खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर सह क्षेत्र स० 3 के कार्यालय का पदभार 2 जुलाई, 1974 पूर्वाह्नि की ग्रहण किया।

14. धनबाद सहक्षेत्र स० 2 स्थानान्तरित ने पर श्री ए० के० रुद्र, खान सुरक्षा उप निदेशक, हैदराबाद सह क्षेत्र ने अपने हैदराबाद स्थित कार्यालय का पदभार 16 जुलाई 1974 के पूर्वाह्नि को त्याग कर उप निदेशक धनबाद सहक्षेत्र स० 2 कार्यालय का पदभार 29 जुलाई, 1974 पूर्वाह्नि को ग्रहण किया।

15. डिग्बोय सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री श्रीम प्रकाश, सहायक निदेशक, सीताराम यह क्षेत्र स० 3 ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 26 जून, 1974 के अपराह्नि को त्याग कर सहायक निदेशक डिग्बोय सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 8 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्नि को ग्रहण किया।

16. हैदराबाद सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री डी० पी० भट्टाचार्जी, सहायक निदेशक, डिग्बोय सहक्षेत्र ने अपने डिग्बोय स्थित कार्यालय का पदभार 26 मई, 1974 के अपराह्नि को त्याग कर सहायक निदेशक, हैदराबाद सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 11 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्नि को ग्रहण किया।

17. पूर्वीय क्षेत्र, सीतारामपुर स्थानान्तरित होने पर डाक्टर एस० एम० बसु, सहायक निदेशक (शैक्षणिक स्वास्थ्य) ग्रेड-1 धनबाद ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पदभार 19 जनवरी, 1975 के 1974 अपराह्नि को त्याग कर, सहायक निदेशक (शैक्षणिक स्वास्थ्य) ग्रेड-1 पूर्वीय क्षेत्र, सीतारामपुर कार्यालय का पदभार 29 जनवरी, 1974 के पूर्वाह्नि को ग्रहण किया।

18. मुख्यालय, धनबाद, स्थानान्तरित होने पर श्री हरिहर नाथ, विधि अधिकारी (ग्रेड 1) पूर्वीय क्षेत्र, सीतारामपुर ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 15 जनवरी, 1975 अपराह्नि को त्याग कर, विधि अधिकारी (ग्रेड-1) मुख्यालय, धनबाद कार्यालय का पदभार 16 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्नि को ग्रहण किया।

19. पूर्वीय क्षेत्र, सीतारामपुर स्थानान्तरित होने पर श्री आर० सी० मन्लिक, विधि अधिकारी (ग्रेड-2), मुख्यालय धनबाद ने

अपने धनबाद स्थित कार्यालय ता पदभार 1 जनवरी, 1975 के अपराह्नि को त्याग कर, विधि अधिकारी (ग्रेड-2) पूर्वीय क्षेत्र, सीतारामपुर कार्यालय का पदभार 9 जनवरी, 1975 पूर्वाह्नि को ग्रहण किया।

श्राम शि० प्रसाद  
खान सुरक्षा महा निदेशक

वाणिज्य मत्तालय  
कार्यालय, पटसन आयुक्त  
दिनांक 7 मई 1975

सं० जूट (ए) /490/65-पटसन आयुक्त, स्थानापन्न लागत लेखा कारी (राजपत्रित श्रेणी-II) श्री एस० बनर्जी को इस कार्यालय के कार्यभार से दिनांक 31 मई, 1975 अपराह्नि से वित्त मत्तालय (व्यव विभाग) नई दिल्ली के लागत लेखा शाखा मे सहायक लागत लेखाधिकारी का पदभार सभालने के लिए मुक्त कर है।

एन० के० राय  
प्रशासनाधिकारी  
हृते पटसन आयुक्त

वस्त्र आयुक्त कार्यालय  
बम्बई, दिनांक 23 मई, 1975

सं० 18(1)/73-75/सी०एल०डी०II--उनी वस्त्र (तादन और वितरण) नियन्त्रण आदेश, 1962 के खड़ 2 के उप-खंड (डी०) मे प्रदत्त शक्तियो के प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मै एतदद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना स० 16 (2)/66-सी०एल०बी०II/बी० दिनांक 6 दिसम्बर, 1967 मे निम्न- लिखित अतिरिक्त संशोधन करता हू, अर्थात् ---

उक्त अधिसूचना से सलग सारणी के स्तम्भ 2 मे क्रम संख्या 15 के सामने की विद्यमान प्रक्रियाओ के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् ---

- “(एक) सरकार के सचिव, उद्योग विभाग,  
मद्रास।
- (दो) निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,  
मद्रास।
- (तीन) संयुक्त निदेशक हाथकरघा और वस्त्र  
मद्रास।
- (चार) उप-निदेशक (वस्त्र) निदेशक हाथकरघा और वस्त्र  
का कार्यालय,  
मद्रास।
- (पांच) सहायकनिदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और  
वस्त्र का कार्यालय,  
मद्रास।
- (छ) सहायक निदेशक (हाथकरघा और वस्त्र) कोइस्वत्तूर  
सेलम, मथुराई, तिची, तिस्तेलवेली, काचीपुरम,  
मथुराई स्थित रामनाड, इरोड और तिस्तेनगोड  
मडलों मे।

(सात) सभी वस्त्र नियंत्रण अधिकारी ।  
 (ग्राह) जिलों के तथा मद्रास ग्राहर के सभी वस्त्र नियंत्रक ।  
 (नौ) राजस्व विभाग के अधिकारी जो राजस्व नियंत्रक की श्रेणी से नीचे के न हों ।  
 (दस) वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारी जो सहायक प्रधिकारी वाणिज्य-कर की श्रेणी से नीचे के न हों ।  
 (ग्यारह) पुलिस विभाग के अधिकारी जो सब-इंसपेक्टर की श्रेणी से नीचे के न हों ।

गोरी शंकर भार्गव,  
 संयुक्त वस्त्र आयुक्त

संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात नियंत्रित का कार्यालय,  
 मद्रास, दिनांक 1975

#### आदेश

विषय:—सर्वश्री एम० ए० रहमान एंड सन्स, 28 ई० के० गुरु स्ट्रीट पेरियामेट मद्रास-3 को जारी किए गए लाइसेंस सं०पी०/के०/2323808/सी०/एक्स० एक्स०/42/एम०/23-24/डी० 1. 1 दिनांक 27-3-1972 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को रद्द करना ।

मि० सं० 144/4 एस० 994/4-6/ई०पी०सी०-2—सर्वश्री एम० ए० रहमान एंड सन्स, 28 ई० के० गुरु स्ट्रीट पेरियामेट मद्रास-3 को सभी प्रकार की द्रेनिंग मशीनरी के बाल बेरिंग्स टेपर रोलर बेरिंग, सिलिन्ड्रिकल रोलर बेरिंग एवं डीप ग्रूव रिजिड बाल बेरिंग्स के आयात के लिए 4995 रु का एक लाइसेंस सं० पी०/के०/2323808/सी०/एक्स०/42/एम०/23-24/डी० 1. 1 दिनांक 27-3-72 स्वीकृत किया गया था ।

फर्म ने इस कार्यालय को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और उपयोग किए बिना ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई है । अपने दावे के समर्थन में उन्होंने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है ।

मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस सं० पी०/के०/2323808/सी०/एक्स० एक्स०/42/एम०/23-24/डी० 1. 1 दिनांक 27-3-72 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और नियंत्रक देता हूं कि फर्म को लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जानी चाहिए । लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है ।

#### आदेश

विषय:—सर्वश्री जी एन० रियाज एंड कं० 15/1, वेपेरी हाई कोर्ट मद्रास-3 को 34083 रुपये के लिए जारी किए गए लाइसेंस सं० पी०/के०/2323812/सं००/एक्स० एक्स०/42/एम०/23-24/डी० 1. 1 दिनांक 27-3-72 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को रद्द करना ।

मि० सं० 144-4/टो०एव०एस०/एस० 961/4-6/ई०पी०सी० से जारी सर्वश्री जी०एन० रियाज एंड कं० 15/1 वेपेरी हाई कोर्ट, पेरियामेट, मद्रास-3 को नामी प्रकार की द्रेनिंग मशीनरी में प्रयोग के लिए बाल बेरिंग्स, टेपर रोलर बेरिंग्स, सिलिन्ड्रिकल रोलर बेरिंग एवं डीप ग्रूव रिजिड बाल बेरिंग्स के आयात के लिए 34083 रुपये का एक लाइसेंस सं० पी०/के०/2323812/सी० एक्स० एक्स०/42 एम० 23-24/डी० 1. 1 दिनांक 27-3-72 स्वीकृत किया गया था ।

फर्म ने इस कार्यालय में उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को जारी करने के लिए इस आधार पर नियंत्रक किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति बिना किसी सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और उपयोग किए ही खो गई/अस्थानस्थ हो गई थी । अपने दावे के समर्थन में उन्होंने स्टाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र भी दाखिल किया है ।

मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस सं० पी०/के०/2323812/सी०/एक्स० एक्स०/42 एम०/23-24/डी० 1. 1 दिनांक 27-3-72 की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/अस्थानस्थ सो गई है और नियंत्रक देता हूं कि फर्म को लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जानी चाहिए । लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की गई मानी जाती है ।

एम० एफ० आर० बिजली,  
 उपमुख्य नियन्त्रक आयात नियंत्रित

#### पूर्ति तथा निपटान महानियंत्रक

(प्रशासन अनुभाग-15)

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1975

सं० प्र० 15/5(291)/75—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री के० रामन को 31 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानियंत्रक में वरिष्ठ विशेषक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

बलबन्त सिंह,  
 उप-नियंत्रक (प्रशासन)

#### (प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1975

सं० प्र० 1/1(274) राष्ट्रपति, सहायक नियंत्रक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) श्री जोगेन्द्रपाल मनेन्द्रसु को उनके भारत पूर्ति मिशन, बाणिंगटन से लौटने पर दिनांक 5 मई, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानियंत्रक नई दिल्ली से उप-नियंत्रक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

सं० प्र० 1/1(1001) राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चुने जाने पर श्री प्रेम नारायण मिथ्र को दिनांक 28 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा

निपटान महानिदेशालय मे सहायक निदेशक (मुकदमा) (ग्रेड-1) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक

नई दिल्ली-1, दिनांक मई 1975

सं० प्र० १/१ (1017) — इस महानिदेशालय के दिनांक 24-२-७५ के समसंबंधक प्रधिकारी मे “स्थायी भंडार अधिकारी (सिविल) ” के स्थान पर “अस्थायी भंडार अधिकारी (सिविल) स्थायी भंडारपाल ग्रेड-1 (पुनः नामित वरिष्ठ भंडार अधीक्षक) ” पदः।

दिनांक 26 मई 1975

सं० प्र० १/१ (498) — स्थाई अवर क्षेत्र अधिकारी और पूर्वी तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली मे स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री जी० एन० उपोनी दिनांक 28 फरवरी 1975 के अपराह्न से निवर्तन आयु होने तक सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के० एल० कोहली,  
उप निदेशक प्रशासन,  
कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1975

सं० ५१/६२/१९ ए — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री सी० बी० कृष्णमूर्ति सरकारी सेवा से मिवर्तन पर 31 जनवरी, 1975 (अपराह्न) से निवृत्त हो गये हैं।

सं० २२२२ (आर० सी० एम०)/१९ ए — श्री राकेश चन्द्र मिश्रा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप मे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे ६५०/- रु० प्रति माह के आरम्भिक वेतन पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-४०-१२००/- रु० के वेतनमान पर अस्थायी क्षमता मे, आगे आदेश होने तक, १०-३-१९७५ के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० २२२२ (ए०के०एम०)/१९ ए — श्री अनिल कुमार माथुर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे सहायक भूवैज्ञानिक के रूप मे ६५० रु० माहवार के आरम्भिक वेतन पर ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान मे, अस्थायी क्षमता मे, अन्य आदेश होने तक, ३०-१-७५ के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० ५१/६२/१९ ए — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री आर० आर० घोष सरकारी सेवा से निवर्तन पर 31 मार्च, 1985 (अपराह्न) से निवृत्त हो गये हैं।

सी० करुणाकरन  
महानिदेशक

भारतीय गर्वेक्षण विभाग

हावड़ा-३, दिनांक 15 मई 1975

सं० बी० एस० आई०-६६/९५-७५-ईस्ट०—प्रभारी निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, श्री एस० कातिकेयन, आरकेडियस कीपर, दक्षिणी परिमंडल, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण की पदोन्नति स्थानापन्न रूप से सेटल नेशनल हारवेनिराम के द्वितीय थ्रेणी राजपत्रित, क्यूरेटर पद पर डा० एन० सी० मजुमदार के स्थान पर, तदर्थे रूप मे, संशोधित वेतन मात्र ₹० ६५०-३०-७४०-३५-८७०-ई० बी०-४०-१२०० मे दिनांक 28 प्रैनै, 1975 के पूर्वाह्न से ६ माह की अवधि के लिये या जब तक फि पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, इनमे जो भी तिथि पहले हो, तब तक के लिये करते हैं।

बी० जी० मुखर्जी,  
वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी,  
वास्ते—प्रभारी निदेशक

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 28 मई 1975

सं० ई०-११ (७) — इस विभाग की अधिकृतना सं० ई०-II (७) दिनांक 11 जुलाई, 1969 मे निम्नलिखित को जोडा जाये, अर्थात् : वर्गे०२ नायट्रेट मिक्सचर के अंतर्गत

1. प्रविष्टि “पावरालास्ट” के बाद मे “पी० आर० एम०-१०१, पी०आर० एम०-१०२ और पी० आर० एम०-१०३ उत्पादन और परीक्षा हेतु ३१ मार्च, 1976 तक” को जोड़ दिया जाए।

वर्ग ३ के अन्तर्गत—प्रभाग १ के अन्तर्गत

2 प्रविष्टि “प्लास्टर जीलेटीन” के पूर्व मे “परीमिजेस्स उत्पादन और परीक्षा हेतु ३१ मार्च, 1976 तक” को जोड़ दिया जाए।

इंग्र नरसिंह मूर्ति,  
मुख्य विस्फोटक निगमक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1975

सं० ४/१५/७५-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री वांकेन्द्रन प्रसाद मित्ता को ५ अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशो तक, आकाशवाणी के राची केंद्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ४(११२)/७५-एम०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री सिल्लह हेन्मान मुगजलून को ४ अप्रैल, 1975 (अपराह्न) से अग्रेतर आदेशो तक, आकाशवाणी के इम्फाल केंद्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ५/१२४/७०-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री जी० आर० चाप्लकर, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, अहमदाबाद को १४ अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशो तक, आकाशवाणी, सागली मे अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(23)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमति किश्वर सुल्तान, को 3 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, विदेश प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, मई दिल्ली में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(139)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० आर० काम्बले, प्रसारण निष्पादक, केंद्रीय विक्रम एकक, विश्वापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी बम्बई को 14 अप्रैल 1975 अपराह्न से अप्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी के बम्बई केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(140)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जी० के० कुलकर्णी प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, भारताबाद को 31 मार्च, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, भारताबाद में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(87)/85-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० के० राय को 21 मार्च, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी पूना में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(33)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० टी० चूध, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, बम्बई को 2 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(69)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी मंदाकिनी डल्लू० पाडे को 5 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी के परभणी केंद्र में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(41)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० बी० रेडी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, मद्रास को 27 मार्च, 1975 के अपराह्न से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(49)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री छामा० रेम प्रकाश मिह को 10 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, पूना में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 मई 1975

सं० 4(19)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी मुहम्मदिनी कोरड़कर हो 29 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, पूना में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(47)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० के० भट्ट, को 5 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, बीकानेर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(71)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी मीनाक्षी यशवन्तराव जोशी को 22 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, नागपुर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(72)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री नरेन्द्र चंद्र देव वर्मा को 7 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, ग्रंगतला में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(76)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री हरिचरण वर्मा को 22 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, नई बिल्ही में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(108)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री केशवदाय अनुरागी, को 29 मार्च, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, नागपुर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(53)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री टी० के० शर्मा, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, भागलपुर को 30 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, नागपुर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 मई 1975

सं० 4(109)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० शर्मा, को 30 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 मई 1975

सं० 5(17)/73-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री मोहन महीरचंद्रानी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, जयपुर को 11 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, भुज में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(88)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती तसनीम फैजल को 3 मई, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, नई दिल्ली में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(95)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती दुर्गा भास्कर, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, मद्रास को 10 अप्रैल, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, हैदराबाद में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(102)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री सी० एल० हक्कू को 1 मई, 1975 से अप्रेतर आदेशों तक दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(14)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती कान्ता को 18 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, जयपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(98)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री लस्ता कोल, प्रसारण निष्पादक, रेडियो कल्याणी, श्रीनगर को 1 मई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(44)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एन० जी० श्रीनिवास, को 30 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, विशापत्र प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, बंगलौर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 मई 1975

सं० 4(18)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती एम० एस० रुक्मणी को 7 मई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, नई दिल्ली में अस्थायी पद्धतिमता में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(82)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री सी० डी० सिंहा, को 6 मई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी खरसाड़ में, अस्थायी पद्धतिमता में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(34)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी उषाप्रभा गणेश भिडे को 7 अप्रैल, 1975 (अपराह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, विविध भारती सेवा, केन्द्रीय विक्री एकक, विशापत्र प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, बम्बई में, अस्थायी रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(115)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री वी० जी० मंथ्य, प्रसारण निष्पादक, विदेश प्रसारण प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली को 8 मई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी लिवेल्स में अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(13)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री वी० वी० पट्टाणी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, अहमदाबाद को 5 मई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(17)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री वी० आर० निर्भविणे, प्रसारण निष्पादक, दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, बम्बई को 8 अप्रैल, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी कार्यालय में, अस्थायी रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(41)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी शातिनी वी० मेहेंडले को 9 मई, 1975 (अपराह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी पूना में, अस्थायी रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(91)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एल० पी० पिपलिया, को 1 मई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, राजकोट में, अस्थायी रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शांति लाल,  
प्रशासन उपनिदेशक  
हृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

सं० 2/77/60-एस०-दो—श्री श्रो० एस० हमीद, लेखा अधिकारी (तदर्य), आकाशवाणी राजकोट पत्रपत्र वर्ष की अवस्था पर पहुंचने पर, अपने ही अनुरोध पर 3-2-75 (पूर्वाह्न) से सेवा से निवृत्त हो गए।

ह० अपठनीय  
अनुभाग अधिकारी  
हृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 24 मई 1975

सं० 6/68/57-सिल्वर्डी-1—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एस० बालसुब्रमण्यम स्थाई जनियर बुकर फिल्म प्रभाग नागपुर को इसी प्रभाग के बम्बई विभाग में दिनांक 9 मई 1975 के अपराह्न से आखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

सं० 17/40/49-सिल्वर्डी-1—रोबा निवृति की आयु होने पर श्री द० के० मेहरा स्थानापन शाखा प्रबन्धक, फिल्म प्रभाग, नागपुर, दिनांक 31-3-1975 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

वी० आर० पेसवानी  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
हृते प्रमुख निर्माता

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री भाराफत उल्ला द्वां

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री करतार सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करसा हूँ।

लखनऊ, दिनांक 15 मई 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

निर्देश सं० 32 के० अर्जन — यत. मुझे विश्वास्मित नाथ  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का  
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है  
और जिसको सं० है तथा जो मो० तरीन बहादुर गंडा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहजहांपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक  
8-10-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा-  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मकान मय जमीन जिसमें 6 दुकानें भी हैं यह मोहल्ला तरीन  
बहादुर गंज शाहजहांपुर में स्थित है।

विश्वास्मित नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरप्रा. में,  
उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-5-1975

मोहर :

प्रलूप श्राई० दी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 23 मई, 1975

निर्देश न० बी० टी० डी०/82/75-76—यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो पावर हाउस रोड, भटिङा में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिङा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयावरार्थ मत्तरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवादः—

(1) श्री संत राम सुनुत श्री श्रीराम वासी भटिङा (अन्तरक)  
 (2) श्री सन्तोष सिंह सुनुत श्री फुमन सिंह श्रीमती जारीर कौर पत्नी श्री कूड़ सिंह वासी भटिङा (प्रतिरिती)  
 (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
 (4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3973 सितम्बर, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिङा में है।

वी० आर० सगर,  
 सक्षम अधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 23-5-75

मोहर :

प्र० आई० श्र० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं. ए० फ० नं० 871—अतः मुते, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 5744 सितम्बर, 1974 में है तथा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूँह यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिपने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घटितां, अर्वात्:—

(1) श्री गुहदेव राम, रेशम राम, गुहदेव राम, मोहिन्द्र पाल सपुत्र श्री दर्शन राम सपुत्र श्री शामा राम बोर तहसील नकोदर (अन्तरक)

2. श्री नरीन्द्र सिंह सपुत्र श्री कर्म सिंह महान नं० 334 जी० वशीर पुरा जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह बगिंज, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति न में हितबद्ध है)

को पह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया लासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 5744 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख: 22-5-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० इस०—————

आप्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 872—यतः मुझे रवीन्द्र  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5835 सितम्बर 1974 में है तथा जो खनक फतेहगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति वे उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अन: अब उक्ता अधिनियम की धारा 269-व के अनुपरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री निरजन न्है ठाकुर 356 सैमूल टाकुर, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री चान्दन सिंह सुनव श्रीमान सिंह निवासो खनक फतेहगढ़, तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिसोग में सम्मति है)

(4) कोई व्यक्ति, जो सम्मति में हव्वि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, शुल्क अरता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भास्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5835 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सभास अधिकारी,  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 22-5-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर का कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० 877/168—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दूसरे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2268 सितम्बर, 1974 है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद्रूप अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दस्त्हामें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्लद्रूप प्रतिशत में अधिक है और यद्य कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे भवने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनैःअब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः—

(1) श्री जगमिन्दर सिंह सुपुत्र हजारा सिंह गांव भगवारी पुलिस स्टेशन टांडा (प्रतरक)

(2) श्री मती हरदयाल कौर पत्नी हजारा सिंह गांव भगवारी (टांडा) (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2268 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दस्त्हामें लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22 मई, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 878—यतः मुझे,  
रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उचित अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जितकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2944, 2952 सितम्बर, 1974 में है तथा जो कुलाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फैल ह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के, प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्राप्ति:-

(1) श्रीमती कुलदीप कौर पल्ली बलवन्त सिंह सपुत्र श्री किरपाल सिंह निवासी कुलाम (वर्तमान पता) श्रीमती कुलदीप कौर पल्ली श्री गुरदयाल सिंह गांव भैरोपही तहसील जिला फरीदकोट (अन्तरक)

(2) श्री मेजर रघपाल सिंह, बलवीर सिंह रवीन्द्र सिंह निवासी कुलाम तहसील नवांशहर (अन्तरिती)

\*(3) जैसा कि नं० 2 में है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कानेवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि गा सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्वाक्षीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2944, 2952 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन, रेज जालन्धर।

तारीख : 22-5-1975

मोहर :

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रूलप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 879—या० मुझे, रवीन्द्र  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 864 अक्टूबर 1974 में है तथा जो जगतेबाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकारण अधिकारी के कार्यालय, बलाचौर (जिला हुश्यारपुर) में रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए कथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सन्त राम सपुत्र राम चन्द निवासी जगतीबाल तहसील बलाचौर जिला हुश्यारपुर (अन्तरक)

(2) श्री कम्मीरी लाल, चरणजीत लाल, सपुत्र श्री रखा राम निवासी जगतेबाल तहसील बलाचौर जिला हुश्यारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में छंच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुमूल्य

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 864 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलाचौर के कार्यालय में है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 22 मई, 1975

मोहर :

\* (जो लाल न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की)  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 881—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभ्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 25,000/- से अधिक है और जिसकी रुप० ३०१२ अक्टूबर 1974 को लिखा है तथा को जेहुमाजारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दिवित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अथवा:—

(1) श्री पुनू सुपुत्र हुजारी गांव जेठू मजारा डाकखाना करीमपुर तहसील नवांशहर (अन्तरक)

(2) श्री सरबन सिंह, जसबीर सिंह, बलबीर सिंह सुपुत्र श्री बिशन सिंह गांव जेठू मजारा डाकखाना करीमपुर तहसील नवांशहर (अन्तरिती)

\*(3) जैसा कि नं० २० में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3102 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियमी नवांशहर के कार्यालय में है।

रवीन्द्र कुमार,  
सभ्यम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारोख : 22 मई, 1975

मोहर :

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० न० 882—यतः मुझे रवीन्द्र

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2940 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी नवां शहर तथा जो गांव मैरलीया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतर्गत, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्रीमती हरभजन कीर लड़की सम्मापूर्ण सिंह पत्नी भूपिन्द्र सिंह निवासी बरा तहसील सरहन्द

(2) हरदेव कीर पत्नी जगजीत सिंह निवासी रमकीत बाग अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री मलकीयत सिंह समुत्र साधु सिंह गांव धुभान तहसील नवांशहर (अन्तरिती)

\* (3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\* (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ल्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2940 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी नवांशहर में लिखा है।  
रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज जालन्धर।

तारीख: 22 मई, 1975

मोहर: (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० 883/174—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संधर्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6116 सितम्बर 1974 में है तथा को केरन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तारा सिंह सुमुक्त कथा सिंह गांव गुदई पुर (अन्तरक)

(2) श्री अमर कौर पत्नी दोलत राम विजय कुमार समुप्रदान दोलत राम गांव मेल (अन्तरिती)

\*(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*(4) कोई भी व्यक्ति जो इस में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

शर्ता जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6116 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
संधर्म प्राधिकारी,  
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 22 मई, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० 884/175—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6071 सितम्बर 1974 में लिखा है तथा को गदाईपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तारा सिंह सपुत्र कथा सिंह गांव गदाई पुर तहसील जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री सोम लाल सुखदेव चोपड़ा सपुत्र दौलत राम गांव रेल तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

\* (3) जैसा कि नं० 2 पर है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\* (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में लूंचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6071 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22 मई, 1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 886—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6107 सितम्बर 1974 में है तथा को गुदाईपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: ग्रन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थति:—

(1) श्री तारा सिंह सपुत्र श्री कथा सिंह गांव गुदाईपुर तहसील जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त राम, जसवन्त राम सपुत्र श्री दौलत राम गांव रेहू जिला जालन्धर (अन्तरिती)

\* (3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\* (4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी आनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6107 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 22 मई, 1975

मोहर:

प्रृष्ठा श्राई० टी० एन० एस

आप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

(1) श्री उद्धम सिंह सपुत्र श्री वरयाम सिंह निवासी  
तलवन तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

(2) श्री कश्मीर सिंह सपुत्र उद्धम सिंह निवासी पादडा  
तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तन्त्रवंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किए अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या या उसमें बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7048 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी फिल्लौर में लिखा है

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख: 22 मई, 1975  
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० 887/178—यतः मृक्षे, रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2 8084  
सितम्बर 1974 में लिखा है तथा को तलबन में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वयं में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर 1974

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण  
है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
4—126GI/75

(1) श्री अदम मिह मायन विभाग भित गाव तलबन  
तहसील फलौर (ग्रन्तरक)

(2) श्री जस्वन सिह कुलदीप मिह काश्मीर मिह  
सपुत्र अधम सिह गाव पडोर तहसील फलौर (ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 मे है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मति है)

(4) कोई भी व्यक्ति, सम्मति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए,  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्मति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8084 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फलौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
मध्यम अधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 22 मई, 1975  
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० न० 888—यतः मुझे, रवीन्द्र  
कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 836  
सितम्बर 1974 में है तथा कोहार में स्थित है (और  
उसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बलाचौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर 1974 को पूर्णकृत

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का बन्दूह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तर्लक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण  
विविध में वाम्पत्तिक रूप से क्षयित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या "अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गुरचरण कौर लड़की हेलीग्रा निवासी  
गांव कोहार तहसील बलाचौर (अन्तरक)

(2) (1) श्री सेवा मिह सुनुव श्री इन्द्र सिह सपुत्र  
श्री गुरुदित सिह निवासी जगतपुर तहसील बलाचौर

(2) श्री हरभजन मिठ सुनुव श्री लाल मिह निवासी  
किशनपुरा डाकघासा काठाल तहसील बलाचौर जिला  
होशगारपुर (अन्तरिती)

\*(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)

\*(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

यह सूचना जारी करने पूर्वक सम्पत्ति के व्रतन  
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 836 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी बलाचौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायह आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख 22 मई 1975  
मोहर.

प्र० रुप आ० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 मई 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 889—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269वाँ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2669 सितम्बर 1974 में लिखा है तथा जो गांव बदोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरिती के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लक्ष्मण सिंह मतवाना अर्जन सिंह सपुत्र हीरा गांव बदोवाल तहसील जिला होशयारपुर निवासी (अन्तरक)

(2) श्री गुरमख सिंह, देवेन्द्र सिंह सपुत्र भिलखा सिंह भूपिन्द्र सिंह, पलविन्द्र मिह, मान सिंह सपुत्र प्रगट सिंह, यरेमेल सिंह बलबेव सिंह, सपुत्र सखन सिंह पोते श्री चरण सिंह 19 जी० जी० गगानगर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन द्वारा लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिशाखित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2669 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्रम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 22-5-1975

मोद्दर:

प्र० प्र० शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 23 मई 1975

निर्देश सं० 261/एकुरे० 3/75-76/कल०—अतः मुझे,  
एस० भट्टाचार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21 है तथा जो बालीगंज भरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और / या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः —

1. श्री संजीव चटर्जी, फ्लेट सं० 7, वर्ड्स कोर्ट, वर्ड्स रोड, स्टेट चेशायार, इंड० क० । (अन्तरक)
2. दि कलकत्ता पंजाब कल्प लिमिटेड 21, बालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचयित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

करीब 39 कट्टा 11 छंटाक 25 स्को : फुट जमीन साध प्राशिक एक तला और दो तला मकान युक्त सम्पत्ति का 1/4 ग्रा जो 21, बालीगंज भरकुलर रोड, कलकत्ता पर अब विधित है ।

एस० भट्टाचार्य,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज III  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16,

दिनांक : 23-5-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 26०-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 मई 1975

निर्देश सं० 26२/एकुरे० ३/७५-७६/कल०—अतः मुझे,  
एस० भट्टाचार्य,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 26०-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21 है तथा जो बालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए गा, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 26०-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 26०-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बरुना मुखर्जी, फ्लेट सं० 3, 108, मानिकतला स्ट्रीट, कलकत्ता ।  
(अन्तरक)

2. दि० कलकत्ता पंजाब क्लब लिमिटेड, 21, बालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 39 कट्टा 11 छटाक 25 स्को० फुट जमीन साथ प्रांशिक एक तला और दो तला मकान युक्त सम्पत्ति का 1/4 अंश जो 21, बालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता पर अवस्थित है।

एस० भट्टाचार्य,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-3,  
54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड,  
कलकत्ता-16,

दिनांक : 23-5-1975

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता।

कलकत्ता-16, दिनांक 30 मई 1975

निर्देश स०टी० आर०-304/सी॒-2817/कलकत्ता-1/74-75—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 52, है तथा जो टैगरा रोड़ (अब राधानाथ चौधुरी रोड़) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेंट ब्लैस (नार्थ) कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तस्वीर 11-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी लोरेटो ब्राउन एंजुकेशनल सोसाइटी आफ कलकत्ता। (अन्तरक)

2. कॉरिट्स इन्डिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 वीथा 10 कड़ा 8 छटार प्रार॑.वार्फुट कर-मुक्त भूमि जो कि 52, टैगरा रोड़ (अब राधानाथ चौधुरी रोड़) कलकत्ता का एक अश है।

एस० के० चक्रवर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता  
54, रफीअहमद किदवाई रोड़,  
कलकत्ता-16

दिनांक: 30-5-1975

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III 54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 27 मई 1975

निर्देश सं 263/एकुरे III/75-76/कल०—अन. मुझे,  
एस० भट्टाचार्य,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं 20 है तथा जो नाकतला लेन, कल०-47 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्स्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रूप में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राहिला खाना, 20 नाकतला लेन, कल०-47  
(अन्तरक)

2. श्रीमती शिशुबाला धर गय 19/प गामुलीबागान डाट रोड पो० आफिस गण्डा, 24 परगणा। (अन्तर्स्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि गा नामंवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन तकी अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, तो भी उक्त पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बीघा 1 कट्टा 13 छंदाक ऊंचा जमीन जो सं 20, नाकतला लेन, धाना यादवपुर, 24 परगणा पर अब स्थित है।

एस० भट्टाचार्य,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III,  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16,

दिनांक 27-5-1975  
मौहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III,

54, रफीशहमद किंवद्वाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 27 मई 1975

निर्देश सं० 264/एकुरे III/75-76/कल—अतः मुझे,  
एस० भट्टाचार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 19 ह तथा जो नाकतला लेन, कल-47 में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राहिला खातुन 20 नाकतला लेन, कल-47  
(अन्तरक)2. श्रीमती शिशुबाला धरराय 19/ए० गागुली बागान दृष्ट रोड,  
पो० अ० गरिया, 24 परगणा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 27.25 कठा तलाव जमीन जो सं० 19, नाकतला लेन, थाना यादबपुर, 24 परगणा पर अब स्थित है।

एस० भट्टाचार्य,  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III,  
54, रफीशहमद किंवद्वाई रोड, कलकत्ता

तारीख : 27-5-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० ——  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 29 मई 1975

निर्देश सं० टी० आर०-227/सि०-225/कल०-1/74-75—  
अत : मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7, है तथा जो पार्क लेन, कलकत्ता में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावढ़ अनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट ब्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5—126GI/75

1. एन० गागूली—कस्टोडियन आफ एरनमी प्रोपरटीस कोर इंडिया थ्री एस० के० रंगचारी की तरफ से। (अन्तरक)

2. विरण पद्मिनी दास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 कट्टा, 8 छटांक और 5 वर्ग फुट क्षेत्रफल की खाली जमीन, जो 7 नं० पार्क सेन, कलकत्ता का ग्रंथ है।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1,

54, रफोअहमद किलवाई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 29-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पुना

पुना, दिनांक 26 मई, 1975

निर्देश/सं० सी० ए० 5/सितम्बर 74/सोलापूर/199/75-  
76—यतः मुझे, एच० एस० श्रौलख  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०टी० पी० एस०  
न० 3 का० प्लाट न० 3 है तथा जो सोलापूर में स्थित है (और  
इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सोलापूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-9-1974  
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्चह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्द्य  
से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रीकांत गंगाधर परांजपे 2. श्री विजय गंगाधर  
परांजपे अ० पा० क० श्री गंगाधर दामोदर परांजपे 210 गोल्ड  
फीच पेट, सोलापूर। (अन्तरक)

2. श्री हरीश ईश्वर लाल कापड़ीया अंजना अपार्टमेंट, गवर्नर्मेंट  
गेट के सामने दसवां माला, बालकेश्वर, वंडै-6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रनुसूची

की-होल्ड-मकान-सी० टी० एस०—7122, टी० पी०  
एस० क० 3 फायनल प्लाट क० 3, सब प्लाट क० 8-ए, उत्तर  
सदर बजार में, सोलापूर  
क्षेत्रफल—176.7 वर्ग मीटर।

एच० एस० श्रौलख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पुना।

दिनांक: 26-5-1975  
मोहर:

प्रलेप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना-141004

पूना, दिनांक, 26 मई 1975

निर्देश सं० सी० ए० ५/सितम्बर '74/हवेली-II (पूना)/198-  
75-76—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 27/1-बी० है तथा जो एरंडवणा (पूना) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रत्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि भ्रत्यरक (भ्रत्यरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री एन० डी० आपटे 1980 सदाशिव पेठ, पूना-30  
(अन्तरक)2. मे० व्ही० संघवी असोसिएट्स 318/19 चतुर्थी रोड,  
पूना-16 (अन्तरिती)4. श्री व्ही० कॉ० कानिटकर पूना  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

फी होल्ड खुला प्लाट सं० क० 27/1-बी०, एरंडवणा, पूना-4  
धेनफल :— 14906 वर्ग फीटएच० एस० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना,

मोहर: 26-5-1975

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक, 29 मई, 1975

निर्देश सं० एफ० डी० के०/९५/७५-७६—यतः मुझे वी० आर० सगर,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० भूमि है। तथा जो मिशन ग्रॉउंड कोटकपुरा रोड मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थतः—

1. श्री शिवनन्दन लाल अरोड़ा, सगर लाल आरूजा तथा दयाल सिंह सन्धू वासी मुक्तसर। (अन्तरक)

2. श्री पूप चन्द्र सपुत्र गोविन्द राम, मुक्तसर। मोहनलाल सपुत्र श्री श्रीराम वासी मुक्तसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2094—2095 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में हो।

वी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक: 29-5-1975

मोहर:

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक, 9 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 24/75-76-यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन,

निर्देश सं० C.H.D./202/74-75—अतः मुझे, जी० पी०  
सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,  
आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 221, 221,-ए बोलारम रोड़ है, जो सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह  
प्रतिशत से अधिक है यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था, या किया जाना चाहिए या  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मुरहरीलाल पित्ती पिता लेट राजगोविन्द लाल पित्ती  
H.No.14-7-370 बेगम बाजार के पास हैदराबाद (अन्तरक)

2.i श्री वरिन्द्र सिंह लाल्हा ii. श्री हर कोरलामा iii. कवलजित  
कौर लाल्हा 400. 15-8-511 फिलकापै के पास हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तिवोली सिनेमा नं 221 और 221/ए बोलारम रोड़-  
सिकन्दराबाद अन्तराय दिवार विलीय 26,880 वर्ग याड़।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज हैदराबाद,

दिनांक: 9-5-1975

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण);  
अर्जन रेज शिलांग

शिलांग दिनांक, 29 मई, 1975

निर्देश सं० ए० 101/जी० आर टी०/75-76/632-44—  
घर्त : मुख्य, एगबर्ट सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० \*अनुसूची के नीचे दी हुई है तथा जो मौजा खानजिया और काका दंगा सिवसागर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिये था लिपाने में सुविधा के लिए;

घर्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स मालबुन्द टी० कम्पनी लिमिटेड, मेडगोलेन कलकत्ता (अन्तरक)

2. हमेन्द्र प्रसाद बर्हवा, श्री रोमेन्द्र प्रसाद बर्हवा श्रीमती कमल कुमारी बर्हवा, ट्रस्टी आफ सीवा प्रसाद बर्हवा फेमिलि ट्रस्ट, कलब रोड, जोरहाट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सड़सुबा दि स्टेट के जमीन की माप लगभग 1010.37 हेक्टर (लगभग) उसमें चाय कि गांच की बगान और चाय की उपजाऊ की गई है नर्सेरीज, चाय की छाप और चारा क्लोन्स, खड़ी हुई गांच, कल कारखाना, मकान विलंडिंग गोदाम और दूसरी बनी हुई, घर पक्का मकान आदि खड़ी हुई है। जो समूचा मिलाके साड़-सुवा टिं. स्टेट कहते हैं और यह सिवसागर जिला में स्थित है।

1. पि० नं० 1 (ग्रान्ट नं० 146/387) पार्ट खनजिया मौजा	—दु०—
2. पि० नं० 1 (पार्ट)	—दु०—
3. पि० नं० 1 ग्रान्ट नं० 39/413 पार्ट	—दु०—
4. पि० नं० 1 ग्रान्ट नं० 163/570/179 पार्ट	—दु०—
5. पि० नं० 1 ग्रान्ट नं० 145/20 पार्ट	—दु०—
6. पि० नं० 1	—दु०—
7. पि० नं० ग्रान्ट नं० 172/441	—दु०—
8. पि० नं० 9	—दु०—
9. पि० नं० 1	—दु०—
10. पि० नं० 5	—दु०—
11. पि० नं० 1	—दु०—
12. पि० नं० 15 (नया)	—दु०—
13. पि० नं० 11 (नया)	—दु०—
14. पि० नं० 1/के० ए०	—दु०—
15. पि० नं० 18 (नया)	—दु०—
16. पि० नं० 36	—दु०—
17. पि० नं० 284 (नं० 316)	काका डन्या मौजा
18. पि० नं० 309	—दु०—
19. पि० नं० 114	—दु०— एगबर्ट सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेज शिलांग,

दिनांक: 29-5-1975

मोहर:

प्रस्तु आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

कोल्हापुर, दिनांक 31 मई 1975

निर्देश सं० सी० ए०-५/आंकटोबर/74/करवीर/200/75-७६—  
यतः मुझे, एच० एस० आलाव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या सं० नं० 2104 है तथा जो कोल्हापुर में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय करवीर  
(कोल्हापुर) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 17-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अधीतः:—

1. श्रीमती उमिला राजे वी० घोरपडे, न्यू पैलेस, कोल्हापुर  
(अन्तरक)

2. दी० इंडियन ह्यूम पाईप कंपनी, लिमिटेड कनस्ट्रक्शन  
हाउस, वालचंद हिराचंद मार्ग, बलार्ड ब्रेस्टेट, वंवई-१  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

पट्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फी होल्ड प्लाट 'ई' वार्ड संन० 2104 (पुराना सि०  
स० नं० 2112), जो कोल्हापुर म्युनिसीपल कार्पोरेशन के  
कक्षा में है।

क्षेत्रफल—करीब 1 1/2 एकर (64373 वर्ग फीट तथा  
5980 वर्ग मीटर)

जो निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्वके तरफ—श्री डी० डी० निबांजकरका प्लाट  
पश्चिम के तरफ—पुनाबंगलोर रास्ता।

उत्तर के तरफ—इंडियन ह्यूम पाईप कंपनी का प्लाट,  
और

दक्षिण के तरफ—स० नं० 2104 का भाग।

प्र० एस० आलाव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 31-5-19675

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. 2, नई दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1975

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/838/75-76/838  
यतः मुझे, चं. वी०] गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है प्रौर जिसकी सं० 30-वी०/78 है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अस०: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन लाल खना, सुपुत्र श्री लाल चन्द खना निवासी 74/2, जनपथ, नई दिल्ली और करता एन० य० एफ० के

(अन्तरक)

(1) गुरनरण सिंह

(2) जोगिन्द्र सिंह

(3) गुरबक्स सिंह, सभी सुपुत्र एस० माना सिंह, निवासी ए०-७/५, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 30-वी०/78, का 1/2 अविभाजित भाग जोकि पंजाबी बाग, नई दिल्ली में है तथा 1/2 भाग का क्षेत्रफल 2255.55 वर्ग गज है और जो बसाए दारापुर, दिल्ली स्टेट के गांव के क्षेत्र में है तथा इसकी सिमाएं निम्न प्रकार से हैं :—

पूर्व : प्लाट नं० 30-ए

पश्चिम : प्लाट नं० 30-सी०

उत्तर : मुख्य संडक।

दक्षिण : सर्विस लेन।

चं० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 29 मई, 1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1/2 विल्सी

दिल्ली, विनांक 29 मई 1975

निवेद सं० आई० ए० सी०एक्य०/११/८३९/७५-७६/८४२—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 6, ब्लाक नं० 49 है जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्सी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के वधीन कर देने के अन्तरक के बाबित्तम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुबरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—126GI/74

1. श्रीमती हरशरण कौर, पत्नी जगजीत सिंह, निवासी 2322/2, रूप चन्द्र स्ट्रोट, समुरी गेट, पटियाला, (पंजाब) (अन्तरक)

2. श्री डा० मदन मोहन बबर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एल० अमर नाथ बबर, निवासी 49/6, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली लेकिन अब लुसाका, जामिया में नियुक्त जरनल एटार्नी श्री तिलक राज धवन, सुपुत्र श्री चमन लाल धवन, निवासी सेक्टर 12, मकान नं० एन०-1, आर० के० पुरम, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

3. श्री तिलक राज धवन, सुपुत्र श्री चमन लाल धवन, निवासी सेक्टर 12, मकान नं० एन०-1, आर० के० पुरम, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज के तथा जिसके साथ एक मंजिला मकान बना हुआ है श्रीर जिसका मकान नं० 6, ब्लाक नं० 49 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 7।

पश्चिम : लेन।

उत्तर : सर्विस लेन।

दक्षिण : अप रोड लेन।

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज—12, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 29-5-76

मोहर :

प्रक्षेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/11/840/75-76/845—  
यतः मुझे चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० 2072-76, दारोवा खुर्द, है जो मालीवारा के पास, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इसे उपान्दु अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिद्धित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आसानीकृप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) निम्नलिखित अधिकारी, प्रधान :—

1. श्री सोहन लाल, सुपुत्र श्री राजा राम, निवासी 409,  
कटरा मेहगरन, बाजार खारी बागली, दिल्ली स्वयं और एटारनी  
श्री श्रीमती सुखा०देवी, पत्नी सोहन लाल  
(अन्तरक)

2. श्री परशोत्तम दास, सुपुत्र श्री हरी चन्द  
(2) श्रीमती मिसरो देवी, पत्नी श्री हरी चन्द, निवासी  
376, हैमप्रदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली।  
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आप्तिप्रयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद अन्य अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन भंजीला लिंडिंग जो कि 2072-76 नं० पर दारोवा खुर्द, मालीवारा के पास, चांदनी चौक, दिल्ली में बनी हुई है तथा जमीन क्षेत्रफल 87 वर्ग गज है।

चं० वि० गुप्ते  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 29 मई 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, 1/2 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/841/75-76/847  
—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 477/ए० 1 है जो गांव बसाए दारापुर,  
दिल्ली-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 27-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-व्यवहार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) की उपशारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्रीमती शाकुन्तला अग्रवाल, पत्नी श्री गोविन्द राम  
अग्रवाल 477/ए०-1, बसाए दारापुर, दिल्ली-15।  
(अन्तरक)
2. श्री मति सुमन लता गोयल, पत्नी श्री राम बिलाश  
गोयल, निशासी ई०-47, बाली नगर, नई दिल्ली-15।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोत्साक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका मुन्यसिपिल नं० 477/ए०-1, है तथा जो  
कि गांव बसाए दारापुर, दिल्ली स्टेट, कीर्ति नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है तथा इसको सीमां निम्न प्रकार से है :—

पूर्व : एस० प्रताप सिंह का मकान

परिवार : सोभा की जमीन।

उत्तर : 15 फुट लेन

दक्षिण : श्रीराम की जायदाद।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली-1, नई दिल्ली

तारीख : 29 मई, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 1/2 दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 29 मई 1975

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/842/75-76  
849—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 25,000/- से अधिक है जिसकी सं० ₹-39 है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात्:—

1. (i) श्री नंद लाल सचरा, सुपुत्र श्री कन्हीया लाल,  
(अन्तरक)

(ii) श्री पृथ्वी राज सेठी, सुपुत्र श्री भगवान दास सेठी, निवासी 20, इकबाल पुर नेन, कलकत्ता-23।

2. श्री हरभजन सिंह, सुपुत्र श्री प्रेम सिंह, निवासी सी०-21 बाली नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्पूर्णी

फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 39 है तथा क्षेत्रफल 244.5 वर्ग गज है तथा जो बसाए दारापुर के गांव के क्षेत्र में है और बाली नगर 'ई' ब्लाक को अबादी जोकि मान्यता प्राप्त है तथा नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: 30 फुट चौड़ी सड़क।

पश्चिम: प्लाट नं० 40।

उत्तर: 30 फुट चौड़ी सड़क।

च० वि० गुप्ते  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 29 मई 1975।

मोहर:

प्रलूप शाई० टी० एन० एस०

व्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री भूगु मारायन

(अम्भारक)

2. श्रीमती शिव गुलामी देवी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल 1975

निर्देश नं० 64-एस०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो हास्पीटल रोड जगदीशपुर बलिया में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्भारक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना भी सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निरीक्षण अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में यथा परिचालित हैं, वही पर्व होता, जो उस प्रधानाय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० बी०-३-४ बी० जिसने आराजी भूमि को 1/4 भाग भी शामिल है। जो कि हास्पीटल रोड जगदीश पुर गाहर बलिया में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 22-4-1975  
मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17 May 1975

No. A 11013/2/74-Admn. II—In continuation of the Union Public Service Commission notification of even number dated 29-10-1974, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri B. S. Kapur permanent Officer of the Section Officer's grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer (Special) in the Commission's Office for a period of four months with effect from 1st May 1975 (FN) or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The appointment of Shri B. S. Kapur as Section Officer (Special) will be on deputation and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E. III/60 dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE

Under Secretary

For Secretary

Union Public Service Commission

New Delhi 110911 the 22nd May 1975

No. A. 32013/1/75-Admn. I—Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service and Under Secretary, Union Public Service Commission *vide* this office Notification No. A. 32013/1/75-Admn. I dated the 12th May, 1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 9th May, 1975.

2. On his reversion, Shri T. N. Channa resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 9th May, 1975.

P. M. NUKHERJEE

Under Secretary

Union Public Service Commission

New Delhi 110011 the 12th May 1975

No. A. 38014/6/74-Admn. III—The President is pleased to permit Shri B. T. Khubchandani a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. service, at his own request with effect from the afternoon of the 31st March, 1975 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

No. A. 38014/3/74-Admn. III—The President is pleased to permit Shri G. R. Mehta, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st March, 1975 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

The 15th May 1975

No. A. 12025(ii)/2/74-Admn. III—In partial modification of this office notification No. A. 32014/1/75-Admn. III dated the 19th April, 1974 and in pursuance of the Cabinet Secretariat (Dept. of Personnel & A.R.) O.M. No. 5/44/74-CS(I) dt. the 28th December, 1974 read with the Department's O.M. No. 5/44/74-CS(I) dt. the 4th March, 1975, the President is pleased to appoint Shri Yoginder Nath, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the U.P.S.C. and officiating as Section Officer, to officiate in the Section Officers' Grade of the cadre with effect from 1st April, 1975 until further orders.

The 20th May 1975

No. A. 32013/1/75-Admn. I—The President is pleased to appoint Shri A. Gupta a, permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for a period of 41 days with effect from 14-4-75 to 24-5-75 (both days inclusive).

The 22nd May 1975

No. A. 32013/1/75-Admn. I—The President is pleased to appoint Shri J. B. Gupta, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for a further period of 1 month with effect from 11-4-1975 to 10-5-1975 (both days inclusive).

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy,  
(Incharge of Administration.)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi, the 1st May 1975

F. No. 11(1) 25/72-Admn.—Kum. Urmil Malhotra, Senior Translator in the Central Translation Bureau is appointed to officiate as Translation Officer in the Bureau on *ad hoc* basis w.e.f. 1-5-1975 till further orders.

G. K. MISHRA,  
Director.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 10th March 1975

No. E-28013/5/74-Ad. I—On superannuation, Shri M. L. Puri, IPS (Punjab-1946) Deputy Inspector General, Headquarters, Central Industrial Security Force, New Delhi, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 28th February, 1975.

L. S. BISHT,  
Inspector General.

## CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 30th April 1975

## CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 7/1975—On transfer Shri Rama Nand Singh Yadava, Assistant Chemical Examiner, Govt. Opium & Alkaloid Works, Ghazipur assumed charge in the same capacity in the New Custom House Laboratory, Bombay with effect from the fore noon of 7th April, 1975.

V. S. RAMANATHAN,  
Chief Chemist,  
Central Revenues.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL GUJARAT  
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to promote following Substantive Section Officers to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General Gujarat, Ahmedabad with effect from the dates shown against each.

Name	Date from which promoted
1	2
1. Shri N. Krishnamurthy .. .. ..	1-1-1974
2. Shri J. Natrajan .. .. ..	15-1-1974 (AN)
3. Shri S. Ramaswamy (II) .. .. ..	13-3-1974
4. Shri N G. Ruchh .. .. ..	15-5-1974
5. Shri D. J. Joshi .. .. ..	15-5-1974
6. Shri R. R. Patel .. .. ..	15-5-1974
7. Shri U. P. Desai .. .. ..	17-5-1974

1	2
8. Shri J. G. Vyas .. ..	11-6-1974
9. Shri N. P. Dongre .. ..	11-6-1974
10. Shri V. Narayanan .. ..	3-7-1974
11. Shri S. P. Rao .. ..	22-7-1974
12. Shri Kripal Singh .. ..	26-7-1974
13. Shri N. S. Parikh .. ..	26-7-1974
14. Shri S. Swaminathan .. ..	26-7-1974
15. Shri S. Subramanian .. ..	29-7-1974
16. Shri K. V. S. Rao .. ..	26-7-1974
17. Shri H. S. V. Murthy .. ..	1-2-1975
18. Shri C. Gopinath .. ..	11-3-1975
19. Shri R. K. Gandhi .. ..	11-3-1975
20. Shri B. S. Parekh .. ..	11-3-1975
21. Shri M. C. Hazariwala .. ..	21-4-1975
22. Shri D. Jagannathan .. ..	21-4-1975

K. H. CHHAYA,  
Deputy Accountant General (Admn.).

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
BIHAR**

Memo No.OEI-PF-JLD-384—The Accountant General has been pleased to promote Shri Jagpati Lal Das, a substantive Section Officer of the Local Audit Branch to officiate until further orders as an Assistant Examiner in that office with effect from 5-4-75 (A.N.).

The 3rd May 1975

Memo No. OEI-Audo-491—The Accountant General has been pleased to promote Shri Subodh Kumar Dey, a substantive Section Officer of the Local Audit Department of his office to officiate until further orders as an Assistant Examiner in that office with effect from 29-4-75 (F.N.).

B. P. SINHA,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
MADHYA PRADESH-I**

Gwalior-474002 the 5 May 1975

No.O.E.I/41—Shri Swami Saran Das, a permanent Accounts Officer at present on deputation to the Office of the Chief Engineer, Ganga Basin, Rewa (M.P.), is permitted to retire from Government service with effect from 31/10/1975 afternoon on attaining the age of superannuation.

No.O.E.I/42—Shri D. K. Shiroorkar, a permanent Accounts Officer, Office of the Accountant General, Madhya Pradesh-I at present on deputation to the Office of the Engineer-in-Chief, P.W.D. (B & R), Madhya Pradesh, Bhopal, is permitted to retire from Govt. service with effect from 31/10/1975 afternoon on attaining the age of superannuation.

No.O.E.I/43—Shri A. P. Singh, a permanent Section Officer and officiating Accounts Officer, is permitted to retire from Govt. Service with effect from 31-7-1975 afternoon on attaining the age of superannuation.

S. T. KENGHE,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.),  
Madhya Pradesh

Gwalior-474002, the 17th May 1975

No. Admn. I/670—The Accountant General, Madhya Pradesh-I, Gwalior has been pleased to appoint Shri M. S. Raizada, a Permanent Section Officer, as an Accounts Officer with effect from the 9th May 1975 Forenoon until further orders.

Sd. Illegible  
Dy. Accountant General (Admn.),  
Madhya Pradesh

**OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR**

**EASTERN RAILWAY**

Calcutta, the 13th May 1975

No. L/8/74/333—Shri Maroo Ram, Section Officer(Audit) a quasi permanent member of the Subordinate Railway Audit Service, is promoted to officiate as Audit Officer, Eastern Railway in the scale of Rs. 840-1200 with effect from 21-4-75 (F.N) until further orders.

N. G. SEN,  
Chief Auditor.

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-22, the 1st May 1975

No. 18264/AN-II—On attaining the age of 58 years Shri Kalikadas Roy Dy Controller of Defence Accounts (Factories) will be transferred to pension establishment and struck off the strength of this department with effect from 30-6-1975 (A.N.).

The 17th May 1975

No. 40011(1)/75/AN-A—The Controller General of Defence Accounts, hereby appoints the undermentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the dates noted against each until further orders.

Sl. No.	Name	Organisation in which serving	Date				
			1	2	3	4	
S/Shri							
1.	S. L. Sharma	Controller of Defence Accounts, (Factories) Calcutta.	2-9-1974 (F.N)				
2.	Ram Krishan Vashist	Controller of Defence Accounts, Patna.	11-12-1974 (F.N)				
3.	Kanwal Nain Ailawadi	Controller of Defence Accounts, Western Command Meerut.	27-2-1975 (F.N)				
4.	Harbans Singh	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.	1-3-1975 (F.N)				
5.	Amrik Singh Pall	Controller of Defence Accounts, Western Command Meerut	3-3-1975 (F.N)				
6.	S. Neelakantan	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	10-2-1975 (F.N)				
7.	Jaswant Rai Malhotra	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) North, Meerut.	21-3-1975 (F.N)				
8.	Gobind Lal Mukherjee	Controller of Defence Accounts, (Factories) Calcutta.	28-2-1975 (F.N)				
9.	S. A. Kulkarni	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) South, Madras.	3-3-1975 (F.N)				
10.	N.L. Gogia	Controller of Defence Accounts, (Factories), Calcutta.	28-2-1975 (F.N)				
11.	Sohan Lal	Controller of Defence Accounts, Patna.	28-2-1975 (F.N)				
12.	Udho Dayal Sharma	Controller of Defence Accounts Western Command Meerut.	10-3-1975 (F.N)				
13.	Swinder Singh	Controller of Defence Accounts (Factories) (Calcutta).	1-2-1975 (F.N)				

1	2	3	4
14.	V. N. Ganga-dharan Nair	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	20-2-1975 (FN)
15.	Sunder Lal Sikka	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	7-3-1975 (FN)
16.	T. K. Kalyana Raman	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	22-3-1975 (FN)
17.	Madan Mohan Kapoor	Controller of Defence Accounts Western Command Meerut.	11-3-1975 (FN)
18.	B. S. Thapar	Controller of Defence Accounts Central Command Meerut.	4-3-1975 (FN)
19.	P. Mahadevan	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	1-3-1975 (FN)
20.	S. Bhageerathan	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.	1-3-1975 (FN)
21.	Joga Singh	Controller of Defence Accounts Central Command Meerut.	1-3-1975 (FN)
22.	Purnanand Sharma	Controller of Defence Accounts Central Command Meerut.	4-3-1975 (FN)
23.	Shiv Kumar Suri	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.	7-3-1975 (FN)
24.	Ramdev Chopra	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.	17-3-1975 (FN)
25.	Brij Raj Sehgal	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.	13-3-1975 (FN)
26.	Jagannath Malhotra	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.	26-3-1975 (FN)
27.	Mohan Lal Sharma	Controller of Defence Accounts Western Command Meerut.	12-3-1975 (FN)
28.	R. Subramaniam	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	10-3-1975 (FN)
29.	Parshotam Lal Syal	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.	7-3-1975 (FN)
30.	A. G. Kaimal	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	29-3-1975 (FN)

S. K. SUNDARAM,  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 9th May 1975

No. 951/A-Admn./130/75—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the undermentioned permanent members of the S.A.S. to officiate as Audit Officers until further orders, in the offices and from the dates noted against each:—

Sl. No.	Name	Office in which appointed	Date of appointment
1	2	3	4
S/Shri			
1. G.S. Sharma	Sr. Dy. Director of Audit, Defence Services, Eastern Command, Patha.	29-3-1975	

1	2	3	4
2.	S.R. Puri	Sr. Dy. Chief Auditor (Ordnance Factories), Jabalpur.	31-3-1975
3.	C.P. Saxena	Sr. Dy. Director of Audit, Defence Services, Central Command, Meerut.	24-3-1975
4.	R. Ananthaswamy	Director of Audit, Defence Services, New Delhi.	3-4-1975
5.	S.N. Deb Roy	Audit Officer-Defence Services, Delhi Cantt.	16-4-1975

SMT. GIRIJA ESWARAN,  
Sr. Dy. Dir. of Audit, Defence Services

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 29th April 1975.

No. 9 (1) /75-Adm I-1. On his transfer to Southern Zone Oorgaum, Shri S. Sankaran, Director of Mines Safety, Central Zone, Nagpur, relinquished charge of his office at Nagpur in the afternoon of the 2nd March, 1974, and assumed charge of the office of the Director of Mines Safety, Southern Zone, Oorgaum in the forenoon of the 13th March, 1974.

2. On his transfer to Headquarters, Dhanbad, Shri A. N. Sinha, Joint Director of Mines Safety, Ajmer Region relinquished charge of his office at Ajmer in the afternoon of the 26th June, 1974, and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety (H.Q.), Dhanbad, in the forenoon of the 1st July, 1974.

3. On his transfer to Kodarma Region, Shri G. S. Ichhapurani, Joint Director of Mines Safety, Ranchi Region relinquished charge of his office at Ranchi in the afternoon of the 17th May, 1974, and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Kodarma Region, in the forenoon the 22nd May, 1974.

4. On his transfer to Headquarters, Dhanbad, Shri N. Mishra, Joint Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. II, relinquished charge of his office in the afternoon of the 4th May, 1974, and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety (M.D.) Hd. quarters, Dhanbad in the forenoon of the 10th June, 1974, after availing himself of the earned leave.

5. On his transfer to Sitarampur Region No. II, Shri N. K. Basak, Joint Director of Mines Safety, Sitarampur, relinquished charge of his office in the forenoon of the 1st July, 1974 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. II on the same date & time.

6. On his transfer to Shahdol Region, Shri V. P. Parti, Joint Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. II, relinquished charge of his office at Sitarampur in the afternoon of the 15th July, 1974, and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Shahdol Region in the afternoon of the 23rd July, 1974.

7. On his transfer to Sitarampur Region No. III, Shri A. Ram Reddy, Deputy Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. II, relinquished charge of his office at Dhanbad in the afternoon of the 20th July, 1974, and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. III in the forenoon of the 29th July, 1974.

8. On his transfer to Northern Zone, Dhanbad, Shri R. S. Mishra, Deputy Director of Mines Safety, Nagpur Region, relinquished charge of his office at Nagpur in the afternoon of the 24th October, 1974, and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety (V.T.), Northern Zone, in the forenoon of the 4th November, 1974.

9. On his transfer to Nagpur Region, Shri A. Tathavamurthy, Deputy Director of Mines Safety (V.T.), Central Zone, Nagpur relinquished charge of his office in the forenoon of the 14th October, 1974, and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Nagpur Region on the same date and time.

10. On his transfer to Northern Zone, Dhanbad, Shri T.K. Mazumdar, Deputy Director of Mines Safety, Northern Zone (V.T.) Dhanbad relinquished charge of his office in the forenoon of the 4th November, 1974, and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Northern Zone, Dhanbad on the same date & time.

11. On his transfer to Sitarampur Region No. III, Shri R.C. Choudhary, Deputy Director of Mines Safety, Ajmer Region, relinquished charge of his office at Ajmer in the forenoon of the 21st June, 1974, and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. III in the forenoon of the 2nd July, 1974.

12. On his transfer to Dhanbad Region No. II, Shri A.K. Rudra, Deputy Director of Mines Safety, Hyderabad Region, relinquished charge of his office at Hyderabad in the afternoon of the 16th July, 1974, and assumed charge of the office of the Deputy Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. II in the forenoon of the 29th July, 1974.

13. On his transfer to Digboi Region, Shri Om Prakash Asstt. Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. III, relinquished charge of his office at Sitarampur in the afternoon of the 26th June, 1974, and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety, Digboi Region in the forenoon of the 8th July, 1974.

14. On his transfer to Hyderabad Region, Shri D.P. Bhattacharjee, Asstt. Director of Mines Safety, Digboi Region, relinquished charge of his office at Digboi in the afternoon of the 26th May, 1974, and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety, Hyderabad Region in the forenoon of the 11th July, 1974.

15. On his transfer to Eastern Zone, Sitarampur, Dr. S.N. Basu, Asstt. Director of Mines Safety (I.H.) Grade-I, Dhanbad relinquished charge of his office at Dhanbad in the afternoon of the 19th January, 1974, and assumed charge of the office of the Asstt. Director of Mines Safety, (I.H.) Grade-I, Eastern Zone, Sitarampur in the forenoon of the 29th January, 1974.

16. On his transfer to Ajmer Region, Shri M.L. Mukherjee, Joint Director of Mines Safety, Shahdol Region, relinquished charge of his office at Shahdol in the afternoon of the 20th July, 1974, and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Ajmer Region in the forenoon of the 26th July, 1974.

17. On his transfer to Ranchi Region, Shri J.C. Aggarwal, Joint Director of Mines Safety, Kodarma Region relinquished charge of his office at Kodarma in the afternoon of the 30th May, 1974, and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety Ranchi Region in the afternoon of the 7th June, 1974.

18. On his transfer to the Headquarters, Dhanbad, Shri Harihar Nath, Law Officer (Grade-I), Eastern Zone, Sitarampur, relinquished charge of his office at Sitarampur in the afternoon of the 15th January, 1975 and assumed charge of the office of the Law Officer, Grade-I, at the Headquarters, Dhanbad in the forenoon of the 16th January 1975.

19. On his transfer to Eastern Zone, Sitarampur, Shri R.C. Mallick Law Officer, Grade-II, Headquarters, Dhanbad, relinquished charge of his office at Dhanbad in the afternoon of the 1st January, 1975 and assumed charge of his office of the Law Officer, Grade-II, Eastern Zone, Sitarampur in the forenoon of the 9th January, 1975.

Sd/- Illegible  
Director-General of Mines Safety

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 7th May 1975

No. Jute (A)490/65:—The Jute Commissioner hereby releases Shri S. Banerjee, Officiating Cost Accountant (Class II Gazetted) in this office with effect from the afternoon of the 31st May, 1975 to take charge of the

7—126GI/75

post of Assistant Cost Accounts Officer in the Cost Accounts Branch, Ministry of Finance, (Department of Expenditure) New Delhi.

N. K. Roy,  
Administrative Officer,  
for Jute Commissioner.

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 3rd May 1975

No. 18 (1)/73-75/CLB II :—In exercise of the powers conferred on me by Sub-clause (d) of clause 2 of the Woollen Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 16 (2) /66-CLB II/B, dated the 6th December, 1967 namely :—

In the Table appended to the said Notification, in column 2, for the existing entries against Serial No. 15, the following shall be substituted, namely :—

- (i) Secretary to Government, Department of Industries, Madras.
- (ii) The Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iii) Joint Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iv) Deputy Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (v) Assistant Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (vi) Assistant Directors (Handlooms and Textiles) in the circles of Coimbatore, Salem, Madurai, Trichy, Tirunelveli, Kancheepuram, Ramnad at Madurai, Erode and Tiruchendravaram.
- (vii) All Textile Control Officers.
- (viii) All Inspectors of Textiles in the Districts and Madras City.
- (ix) Officers of the Revenue Department not below the rank of Revenue Inspector.
- (x) Officers of the Commercial Taxes Department not below the rank of Assistant Commercial Tax Officer.
- (xi) Officers of the Police Department not below the rank of sub-Inspector."

G. S. BHARGAVA,  
Joint Textile Commissioner

#### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports

Madras-1, the 11th April 1975

Subject:—Cancellation of Customs Purposes Copy of licence No. P/K/2323808/C/XX/42/M/23-24/D.1.1 dated 27-3-72 issued to M/s. M. A. Rahman and Sons, 28, E.K. Guru St., Periamet, Madras-3.

#### ORDER

M/s. M. A. Rahman and Sons, 28, E. K. Guru Street, Periamet, Madras-3 were granted a licence No. P/K/2323808/C/XX/42/M/23-24/D. 1.1 dt. 27-3-72 for Rs. 4995/- for Import of Ball Bearings, Tapper Roller Bearings, Cylindrical Roller bearings and Deep Grove rigid ball bearings for use in all types of tanning machinery.

The firm have approached this office with a request for issue of a duplicate copy of the Customs Purposes copy of the above licence on the ground that the original Customs Purposes copy of the said licence was lost/misplaced without having been registered with any Customs authority and utilised. They have also furnished an affidavit on a stamped paper in support of their claim.

I am satisfied that the Customs Purposes copy of the licence No. PK/2323808/C/XX/42/M/23-24/D. 1-1 dt. 27-3-72 has been lost/misplaced and direct that the duplicate Customs Purpose copy of the licence should be issued to the firm. The original Customs Purposes copy of the licence stands cancelled.

(Issued from file No. 144/IV/S. 994-4-66/EPC. II).

M.F.R. BIJLI,  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports

Subject:—Cancellation of Customs Purposes Copy of Licence No. PK 2323812/C/XX/42/M/23-24/D. 1-1 dt. 27-3-72 for Rs. 34063 issued to M/s. G. N. Riyaz and Co. 15/1, Vepery High Rd., Madras-3.

ORDER

M/s. G. N. Riyaz and Co., 15/1, Vepery High Road, Periamet, Madras-3 were granted a licence No. P/K/2323812/C/XX/42/M/23-24/D. 1-1 dated 27-3-72 for Rs. 34083/- for Import of Ball Bearings, Taper Roller Bearings, Cylindrical roller bearings and Deep Grove rigid ball bearings for use in all types of tanning machinery.

The firm have approached this office with a request for issue of a duplicate copy of the Customs Purposes Copy of the above licence on the ground that the original Customs Purposes Copy of the said licence was lost/misplaced without having been registered with any Customs Authority and utilised. They have also furnished an affidavit on a stamped paper in support of their claim.

I am satisfied that the Customs Purposes Copy of the licence No. P/K/2323812/C/XX/42/M/23-24/D. 1-1 dated 27-3-72 has been lost or misplaced and direct that the duplicate Customs Purpose Copy of the licence should be issued to the firm. The original Customs Purposes copy of the licence stands cancelled.

M. F. R. BIJLI,  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports,  
for Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(Administration Section A-15)

New Delhi-110001, the 12th March 1975

No. A-15/5(291)/75.—The President is pleased to appoint Shri K. Raman, a permanent Section Officer of the Central Secretariat Service, as Senior Analyst in the Directorate General of Supplies & Disposals, with effect from the forenoon of 31st January, 1975 till further orders.

BALWANT SINGH,  
Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 13th May 1975

No. A. 1/1(1017)—In this Directorate General Notification of even number dated 24-2-1975 regarding appointment of Shri Sujan Singh as Assistant Director (Grade II) please read 'Temporary Stores Officer (Civilian) /Permanent Storekeeper Grade I redesignated as Senior Stores Superintendent, instead of Permanent Stores Officer (Civilian).,

The 26th May 1975

No. A-1/1(498)—Shri G. N. Upponi permanent Junior Field Officer and officiating as Asstt. Director (Grade II) in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 28th Feb. 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI  
Dy. Director (Administration)  
for Director General Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 26th May 1975

No. A. 1/1(274)—The President is pleased to appoint Shri Joginder Pall Mohindroo Assistant Director (Grade I), (Grade III of the Indian Supply Service) on his return from India Supply Mission, Washington to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 5th May, 1975 and until further orders.

No. A-1/1(1001)—On his selection through the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Prem Narain Misra to officiate as Assistant Director (Ligation) (Grade I) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 28th April, 1975 and until further orders.

K. L. KOHLI,  
Dy. Dir. (Administration).

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 24th May 1975

No. 51/62/19A—Shri C. V. Krishnamurthy, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government Service on superannuation with effect from 31st January, 1975 (afternoon).

The 26th May 1975

No. 2222(RCM)/19A—Shri Rakesh Chandra Misra is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10-3-1975, until further orders.

No. 2222(AKM)/19A—Shri Anil Kumar Mathur is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30-1-1975, until further orders.

No. 51/62/19A—Shri R. R. Ghosh, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 31st March, 1975 (afternoon).

C. KARUNAKARAN,  
Director General.

BOTANICAL SURVEY OF INDIA

Howrah-711108, the 15th May 1975

No. BSI-66/95/75-Estt.—The Director-in-Charge, Botanical Survey of India, appoints Shri S. Karthikeyan, Orchidarium Keeper, Southern Circle, Botanical Survey of India, to officiate in Class II Gazetted Post of Curator, Central National Herbarium, vice Dr. N. C. Majumdar, on promotion, on ad-hoc basis, in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 28th April, 1975 for a period of six months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

D. G. MOOKERJEA  
Sr. Administrative Officer  
for Director-in-Charge.

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 28th May 1975

No. E-11(7)—In this Departments Notification No. E-11 (7) dated the 11th July, 1969, and the following, namely:—  
Under Class 2 -NITRATE MIXTURE

1 add "PRM-101, PRM-102 and PRM-103 for carrying out trial manufacture and tests upto 31st March, 1976, after the entry "POWERPLAST"  
Under Class 3—DIVISION 1

2 add "PERMIGEX for carrying out trial manufacture and tests upto 31st March, 1976" before the entry "PLASTLR GELATINI"

I N MURTY,  
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 5th May 1975

No 4/15/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Bankey Nandan Prasad Sinha as Programme Executive, All India Radio, Ranchi in a temporary capacity with effect from the 5th April, 1975 and until further orders

No 4 (112)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Sitalou Hemang Nungjalun as Programme Executive, All India Radio, Imphal in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 4th April, 1975, and until further orders

No 5/124/70-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G R Chaphalkar, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Ahmedabad as Programme Executive, All India Radio Sangli in a temporary capacity with effect from the 14th April, 1975 and until further orders

No 4 (23)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt Kishwar Sultan as Programme Executive, External Services Division, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 3rd April, 1975 and until further orders

No 5 (139)/67-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M R Kamble, Transmission Executive, Central Sales Unit, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bombay as Programme Executive, All India Radio Bombay in a temporary capacity with effect from the afternoon of 14th April, 1975 and until further orders

No 5 (149)/67-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G K Kulkarni, Transmission Executive, All India Radio Dharwar as Programme Executive, All India Radio, Bhadravati in a temporary capacity with effect from the 31st March, 1975 and until further orders

No 4 (87)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S K Roy as Programme Executive, All India Radio, Patna in a temporary capacity with effect from the 21st March, 1975 and until further orders

No 5 (33)/69-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M T Chugh, Transmission Executive, All India Radio, Bombay as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 2nd April, 1975 and until further orders

No 4 (69)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari Mandakini W Pande as Programme Executive, All India Radio, Patbani in a temporary capacity with effect from the 5th April, 1975 and until further orders

No 5 (43)/67-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S V Reddy, Transmission Executive, All India Radio, Madras as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 27th March, 1975 and until further orders

No 4 (49)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Khumanthem Prakash Singh, as Programme Executive, All India Radio, Imphal in a temporary capacity with effect from the 10th April, 1975 and until further orders

The 19th May 1975

No 4 (19)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari Suhasini Koratkari as Programme Executive All India Radio, Poona in a temporary capacity with effect from the 29th April, 1975 and until further orders

No 4 (47)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. K. Bhatt as Programme Executive, All India Radio, Bikaner in a temporary capacity with effect from the 5th April, 1975 and until further orders.

No 4 (71) 75 SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari Meenakshi Yashwantrao Joshi as Programme Executive, All India Radio, Nagpur in a temporary capacity with effect from the 22nd April, 1975 and until further orders.

No 4 (72)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Narendra Chandra Deb Barma as Programme Executive, All India Radio, Agartala in a temporary capacity with effect from the afternoon of 7th April, 1975 and until further orders.

No 4 (76)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Hari Charan Verma as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 22nd April, 1975 and until further orders.

No 4 (108)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Keshava Dass Anuragi as Programme Executive, All India Radio, Gorakhpur in a temporary capacity with effect from the 29th March, 1975 and until further orders.

No 5 (53)/68-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri T. K. Sharma, Transmission Executive, All India Radio, Bhagalpur as Programme Executive, All India Radio, Nagpur in a temporary capacity with effect from the 30th April, 1975 and until further orders

The 21st May 1975

No. 4-(109)/75 SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. S. Sharma, as Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from the 30th April, 1975 and until further orders.

No 5 (17)/73-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mohan Mahirchandani, Transmission Executive, All India Radio, Jaipur, as Programme Executive, All India Radio, Bhuj in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 11th April, 1975 and until further orders.

No 4 (88)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Tasneem Fazal as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 3rd May, 1975 and until further orders.

No. 5 (95)/67-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Durga Bhaskar, Transmission Executive, All India Radio, Madras as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from the 10th April, 1975 and until further orders

No 4 (102)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri C L Hakkoo as Programme Executive Television Centre, All India Radio, Srinagar in a temporary capacity with effect from the 1st May, 1975 and until further orders

No 4 (14)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Kanta as Programme Executive, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from the 18th April, 1975 and until further orders.

No 5 (98)/67-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Lassa Kaul, Transmission Executive, Radio Kashmir, Srinagar as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from 1st May, 1975 and until further orders

No 4 (44)/75 SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N G Sreenivasa as Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bangalore in a temporary capacity with effect from the afternoon of 30th April, 1975 and until further orders

The 27th May 1975

No 4 (18)/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt M S Raghini as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 7th May, 1975 and until further orders

No 4/82/75-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri C D Sinha as Programme Executive, All India Radio Kurseong in a temporary capacity with effect from the 6th May, 1975 and until further orders.

No. 4 (34)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari Ushaprabha Ganesh Bhide as Programme Executive, Vividh Bharati Service, Central Sales Unit, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 7th April, 1975 and until further orders.

No. 5 (115)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri V. G. Mathew, Transmission Executive, External Services Division, All India Radio, New Delhi as Programme Executive, All India Radio, Trivandrum in a temporary capacity with effect from the 8th May, 1975 and until further orders.

No. 5(13)/69-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri V. B. Pattani, Transmission Executive, All India Radio, Ahmedabad as Programme Executive, at the same Station in a temporary capacity with effect from the 5th May, 1975 and until further orders.

No. 5 (17)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. R. Nirbhavne, Transmission Executive, TV Centre, All India Radio, Bombay as Programme Executive in the same office in a temporary capacity with effect from the 8th April, 1975 and until further orders.

No. 4 (41)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Shalinee B. Mehandale as Programme Executive, All India Radio, Poona in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 9th May, 1975 and until further orders.

No. 4 (91)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri L. P. Pipalia as Programme Executive, All India Radio, Rajkot in a temporary capacity with effect from the 1st May, 1975 and until further orders.

SHANTI LAL  
Dy. Director of Administration,  
for Director General

New Delhi, the 14th May 1975

No. 2/77/60-SII—Shri O. S. Hameed, Administrative Officer (ad-hoc), All India Radio, Rajkot retired from service w.e.f.

3-2-1975 (afternoon) at his own request on his attaining the age of 55 years.

I. S. PANDHI  
Section Officer,  
for Director General

(PLANNING AND DEVELOPMENT UNIT)

New Delhi, the 19th May, 1975

No. 2/8/68-D (S).—Shri M. V. Ramakrishnan, Accounts Officer in the office of Accountant General, Central Revenues, New Delhi has been appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the office of Regional Engineer (North), All India Radio, New Delhi with effect from 15-4-1975 (F.N.), until further orders.

T. R. SABHARWAL  
Dy. Development Officer (Admn.)  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 24th May 1975

No. 6/68/57-Est. I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri S. Balasubramanian, Officiating Junior Booker, Films Division, Nagpur to officiate as Branch Manager in Distribution Wing, Films Division, Bombay, with effect from the forenoon of the 9th May, 1975, until further orders.

No. 17/40/49-Est. I.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri A. K. Mehra, permanent Branch Manager in the Films Division at Nagpur relinquished charge of the post of Branch Manager, Films Division, Nagpur with effect from the afternoon of 31st March, 1975.

V. R. PESWANI  
Asstt. Administrative Officer,  
for Chief Producer

## FORM ITNS—

(2) Shri Santokh Singh s/o Shri Phuman Singh,  
Smt. Jagir Kaur w/o Shri Chur Singh r/o  
Bhatinda.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd May 1975

Ref. No. BTD/82/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Power house Road Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sant Ram s/o Sh. Shri Ram r/o Bhatinda.  
(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3973 of September, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 23-5-75.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP-871/75-76/Jullundur.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5744 situated at Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdev Ram, Resham Ram, Gurmej Ram, Mohinder Paul S/o Darshan Ram S/o Shama Ram of v. Bir Pind Teh. Nakodar Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Natinder Singh S/o Karam Singh of H. No. 334-G, Bashirpura, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Dcqd No. 5744 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Jullundur

Date : 22nd May 1975.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(2) Chanan Singh S/o Bhan Singh R/o Khanak Fatehgarh, Tch. Jullundur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. A.P. 872.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5835 situated at V. Khanak Fatehgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narayan Singh R/o Central Town, 356, Jullundur.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5835 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Jullundur

Date : 22nd May 1975.  
Seal :

## FORM IUNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP/877/168.—Whereas, I Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2268 situated at V.

Baghairi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dasuya in September, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagminder Singh S/o Hazara Singh, V. Baghairi, P.S. Tanda,  
(Transferor)

(2) Smt. Hardayal Kaur Wd/o Sr. Hazara Singh, V. Baghairi, (Tanda).  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2268 of September, 1974 of the Registering Authority, Dasuya.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Jullundur

Date : 22nd May 1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP-878/169/Nawanshehr.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. (As per schedule) situated at Nawanshehr, V. Kulam Kulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawanshehr in September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

8—126GI/75

(1) Smt. Kuldip Kaur W/o Balwant Singh S/o Kirpal Singh R/o Kullam. (Present Address at Smt. Kuldip Kaur W/o Gurdial Singh, V. Bhairo Patti, Teh. Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) S/Sh. Major Rachpal Singh, Balbir Singh, Ravinder Singh R/o V. Kulam, Teh. Nawanshehr.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2944 and 2952 of September 1974 of the Registering Authority, Nawanshehr.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22nd May 1975,

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Sant Ram S/o Ram Chand R/o Jagtewal,  
Teh. Balachor,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Sh. 1. Kashmiri Lal 2. Chirangi Lal S/o  
Rakha Ram, R/o Jagtewal,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) At at S. No. 2 above.  
(Person(s) in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(4) Any person interested in the property,  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Jullundur, the 22nd May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-379/170/Balachor/75-76.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. (As per schedule) situated at Jagtewal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Balachor in October, 1974 for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from such transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 864 of October, 1974 of the Registering Authority Balachor.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur,

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22nd May 1975,

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP/881/172.—Whereas, 1 Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (As per schedule) situated at V. Jethu Mazara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), No. (See schedule overleaf) situated at V. Jethu Mazara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshehr in October, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Poonu S/o Hazari, V. Jethu Mazara, P/o Karimpur, Teh. Nawanshehr. (Transferor)

(2) S. Sh. Sarwan Singh, Jasbir Singh, Balbir Singh S/o Bishan Singh V. Jethu Mazara P/o Karimpur, Teh. Nawanshehr.

(Transferee)

(3) At at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3102 of Oct., 1974 of the Registering Authority Nawanshehr.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 22nd May 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Smt. Wasdev Kaur W/o Jagjit Singh R/o Ramkit Bagh, Amritsar, Malkiat, Singh S/o Sadhu Singh, V. Ghuman, Teh. Nawanshehr.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP 882/173.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (As per schedule) situated at V. Wahlian (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahr in September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Harbhajan Kaur D/o Sampuran Singh W/o Bhupinder Singh R/o Bana, Teh. Sirhind. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2240 of September, 1974 of the Registering Authority, Nawanshehr.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22nd May 1975.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Tara Singh S/o Katha Singh V. Gurdev Pur.  
(Transferor)

(2) Smt. Amar Kaur W/o Daulat Ram, Vijay Kumar S/o Sh. Daulat Ram V. Ramu Teh. Jullundur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP/883/174.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

See schedule overleaf situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Sept., 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6116 of Sept., 74 of the Registering Authority Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 22nd May 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Tara Singh S/o Katha Singh V. Gurgaipur (Gudaipur).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) Shri Som Lal Sukhdev Chopra S/o Daulat Ram R/o Rarke, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)(4) Any person in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP/884/175.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

See schedule overleaf situated at V. Gurdai pur (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in September, 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered Deed No. 6071 of Sept., 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range Jullundur

Date : 22nd May 1975.

Seal :

## FORM ITNS

(2) Balwant Ram, Jaswant Ram, Ss/o Daulat Ram,  
V. Raru,  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP/886/177.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(See schedule overleaf) situated at V. Gudaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jullundur in September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tara Singh S/o Katha Singh V. Gudaipur, Jullundur.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Any person in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6107 of September, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22nd May 1975,

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Udhamp Singh S/o Waryam Singh, R/o Talwan, Teh. Phillaur.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Kashmir Singh S/o Udhamp Singh R/o Puadbara, Teh. Phillaur.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property.)

Jullundur, the 22nd May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP/885/176.—Whereas, I Ravinder Kumar being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. See schedule overleaf situated at Talwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in September, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7048 of September, 1974 of the Registering Authority Phillaur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22nd May 1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Udhram Singh S/o Waryam Singh R/o  
Talwan, Teh. Phillaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

(2) Shri Jaswant Singh, Kuldip Singh Kashmira  
Singh S/o Udhram Singh, R/o V. Puadhra,  
Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above,  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP/887/178.—Whereas, I Ravinder Kumar  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition  
Range, Jullundur  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

See Schedule overleaf situated at V. Talwan  
(and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been  
transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in  
the office of the Registering Officer at  
Phillaur in Sept., 1974

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair-market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the Parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8084  
of September, 1974 of the Registering Authority Phillaur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

9—126GI/75

Date : 22nd May 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP-888/75-76/Balachor.—Whereas, I Ravinder Kumar Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, 1/2 share of 269 kanals 5 marlas, situated at (See schedule overleaf situated at Kohar Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balachor in September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurcharan Kaur D/o Hawelia R/o Vill. Kohar, Teh. Balachor, S/Sh. Sewa Singh S/o Inder Singh S/o Gurdit Singh, R/o Jagatpur, (Balachor).

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh S/o Labh Singh R/o Kishanpur, P.O. Kathgarh Teh. Balachor.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 836 of September, 1974 of the Registering Authority, Balachor.

RAVINDER KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range Jullundur

Date : 22nd May 1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd May 1975

Ref. No. AP/889/180/Hoshiarpur/75-76.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sec schedule overleaf situated at V. Badowal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in Sept., 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Lachhman Singh Adopted son of Sr. Arjan Singh S/o Hira of V. Badowal, Teh. & Distt. Hoshiarpur, P/o Mundiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurmukh Singh, Devinder Singh S/o Milkha Singh, Bhupinder, Palvinder Singh and Man Singh sons of Surjit Singh, Iqbal Singh, Amarjit Singh S/o Pargat Singh, Gurmel Singh and Baldev Singh sons of Sr. Sarwan Singh. All are grand sons of Sr. Charan Singh, R/O 19 G.G. Distt. Ganganagar.

(Transferees)

(3) As above S. No. 2.

(Persons in occupation of the property.)

(4) Any person interested in the property.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2669 of September, 1974 of the Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commission of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 22nd May 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sanjib Chatterjee Flat No. 7, Wardle Court, State Cheshire, U.K.  
(Transferor)

(2) The Calcutta Punjab Club Ltd., 21 Ballygunge Circular Road, Calcutta.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 23rd May 1975

Ref. No. 261/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21 situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 7-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in the property consisting of land measuring 39 cottahs 11 chittacks 25 sq. ft. together with partly one storied and partly two storied structures standing thereon at premises No. 21 Ballygunge Circular Road, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16.

Date: 23-5-1975

Seal:

## FORM ITNS—

(1) Smt. Baruna Mukherjee Flat No. 3, 108, Manicktolla Street, Calcutta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Calcutta Punjab Club Ltd, 21 Ballygunge Circular Road, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 23rd May 1975

Ref. No. 262/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 7-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/4th share in the property consisting of land measuring 39 cottahs 11 chittacks 25 sq. ft. together with partly one storied and partly two storied structures standing thereon at premises No. 21 Ballygunge Circular Road, Calcutta.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax, Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-5-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) The Loreto House Educational Society of Calcutta.  
(Transferor)

(2) Caritas India.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 30th May 1975

Ref. No. TR-304/C-291/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52, situated at Tangra Rd. (Now Radhanath Chaudhury Rd.),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North on 11-9-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 Bighas 10 cottahs 9 chittacks and 4 sq. ft. revenue free land being a portion of premises No. 52, Tangra Rd. now known as Radhanath Chaudhury Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 30-5-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Smt. Sishubala Dhar Roy, 19/A, Ganguly Bagan  
East Road, P.O. Garia, 24-Parganas.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III,  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 27th May 1975

Ref. No. 263/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, situated at Naktala Lane, Calcutta-47, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Parganas on 16-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

All the piece and parcel of raised land measuring 1 bigha 1 cottah 13 chittacks more or less situated at premises No. 20, Naktala Lane, P. S. Jadavpur, 24-Parganas.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Smt. Rahila Khatun & 9 others, 20, Naktala Lane, Calcutta-47.  
(Transferor)

Date : 27-5-1975.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Rahila Khatun &amp; 9 others, 20, Naktala Lane, Calcutta-47.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sishubala Dhar Roy, 19/A, Ganguly Bagan East Road, P O. Garia, 24-Parganas.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 27th May 1975

Ref. No. 264/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, S. Bhattacharyya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19, situated at Naktala Lane, Calcutta-47,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Parganas on 16-9-1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of pond land measuring 27.25 cottahs more or less situated at premises No. 19, Naktala Lane, P.S. Jadavpur, 24-Parganas.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor), Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-5-1975.

Seal .

## FORM ITNS

(1) Shri N. Ganguli on behalf of Shri M. K. Ranga-  
chari Custodian of Enemy Property for India,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kiron Padmini Das.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 29th May 1975

Ref. No. TR-227/C-225/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravorty, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, situated at Park Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, on 20-9-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5 Cottas, 8 Chatuks and 5 sft of vacant land being portion of premises No. 7 Park Lane, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVORTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
10—126GI/75

Date : 29-5-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE, 60/61, ERANDAWANA.  
KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411 004, the 26th May 1975

Ref. No. C.A.5/September '74/Sholapur/199/75-76.—  
Whereas, I, H. S. Aulakh,  
being the competent authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. T P S. No. 3, F. Plot No. 3 situated at Sholapur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sholapur on 26-9-74,  
Sholapur on 26-9-74,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

(1) Shri Shrikant Gangadhar Paranjape, and Shri Vijay  
Gangadhar Paranjape, Minors, by their Guardian  
Shri Gangadhar Damodar Paranjape, 210, Gold  
Finch peth, Sholapur.

(Transferor)

(2) Shri Harish Ishwarlal Kapadia, Ajanta Apartments,  
Opp. Govt. Gate, 10th Floor, Walkeshwar,  
Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

## Free-hold House property :—

C.T.S. No. 7122, T.P.S. No. 3,  
F. Plot No. 3, Sub Plot No. 8A,  
at North Sadar Bazar, Sholapur.  
Area : 176.7 Sq. Mtrs.,

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona,

Date : 26-5-75,

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri N. D. Apte, 1980, Sadashiv peth, Poona-30.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. V. Sanghavi Associates, 318/19, Chatrusinghi  
Road, Poona-16.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004

Poona-411004, the 26th May 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold open plot At survey No. 27/1-B, Erandawana,  
Poona-4 Area : 14906 Sq. ft.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

H. S. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 26-5-75.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th May 1975

Ref. No. FDK/95/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Mission Ground Kotkapura Road, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Muktsar in September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Shivanandan Lal Arora, Sagan Lal Ahuja & S. Dayal Singh Sandhu r/o Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Roop Chand S/o Shri Gobind Ram, Muktsar, Mohan Lal S/o Shri Siri Ram r/o Muktsar.

(Transferee)

(3) At as S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds No. 2094 & 2095 of September, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range Amritsar.

Date : 29-5-75.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Murarilal Pittie, S/o Late Raja Goverdhanlal Pittie, R/o House No. 14-7-370 at Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th May 1975

Ref. No. RAC. No. 24/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 221, 221/A situated at Bolaram Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 18-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(2) 1. Sri Varinder Singh Lamba,

2. Smt. Har Kaur Lamba,

3. Smt. Kawaljeet Kaur Lamba,

All three residing at 15-8-511 at Feekhana, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: The Tiyoli Talkies Cinema Building with outhouses surrounded by compound walls bearing Nos. 221 and 221/A, at Bolaram Road, Secunderabad.

Area: 26,880 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-5-1975.

Seal:

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 29th May 1975

Ref. No. A-101/Jrt/75-76/632-44.—Whereas, I Egbert Singh being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per sheet enclosed\* situated at Mouza Khangia and Kakadanga in Sibsagar District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jorhat on 10-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- \*1. P. No. 1 (grant No. 146/387) (Part) Khangia Mouza
- 2. P. No. I part Khangia Mouza
- 3. P. No. I Grant No. 39/413 part Khangia Mouza
- 4. P. No. I Grant No. 163/570/179 part Khangia Mouza
- 5. P. No. I Grant No. 135/20 part Khangia Mouza
- 6. P. No. I Grant No. 135/20 part Khangia Mouza
- 7. P. No. I Grant No. 172/441 Khangia Mouza
- 8. P. No. 9 Khangia Mouza
- 9. P. No. I Khangia Mouza
- 10. P. No. 5 Khangia Mouza

- 11. P. No. I Khangia Mouza
- 12. P. No. 15 (new) Khangia Mouza
- 13. P. No. 11 (new) Khangia Mouza
- 14. P. No. I/KA Khangia Mouza
- 15. P. No. 18 (New) Khangia Mouza
- 16. P. No. 36 Khangia Mouza
- 17. P. No. 284 (N. 316) Kakadanga Mouza
- 18. P. No. 309 Kakadanga Mouza
- 19. P. No. 114 Kakadanga Mouza

(1) M/s. Moabund Tea Co. Ltd., 4, Mangoe Lane, Calcutta,  
(Transferor)

(2) Shri Hemendra Prasad Barooah, Shri Romendra Prasad Barooah, Smt. Kamal Kumari Barooah, Trustees of Siva Prasad Barooah Family Trust, Club Road, Jorhat,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Sangsua Tea Estate containing land measuring about 1010.37 Hectares (more or less) together with tea plantations of gardens for cultivation and growth of tea thereon, nurseries, tea bushes and seedlings, clones, trees standing timber, factories, bungalows, buildings, godowns and all other erections, structures and effects of permanent nature theron or therein which are collectively known as Sangsua Tea Estate in the District of Sibsagar.

EGBERT SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Shillong

Date : 29-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Urmilaraje V. Ghorpade, New Palace, Kolhapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,  
KARVE ROAD, POONA : 411004.

Poona-411004, the 31st May 1975

Ref. No. C.A. 5/October '74/Karvir/200/75-76.—  
Whereas, I H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 2104 situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Karvir (Kolhapur) on 17-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

(2) The Indian Hume Pipe Company Limited, Construction House, Walchand Hirachand Marg, Ballard Estate, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold plot of land admeasuring about 1½ acres (64373 Sq. ft.) i.e. (5980 Sq. Mtrs.) situated in Kolhapur Municipal Corporation Limits in Ward 'E' bearing City Survey No. 2104 (former C.S. No. 2112) of the Eastern side of Poona Bangalore Road in the Registration District Kolhapur, Sub-Registration District Karveer, bounded by on or towards East by plot of Mr. D. D. Nimbalkar, bounded by on or towards West by Poona Bangalore Road, bounded by on or towards north by plot of Indian Hume Pipe Co. Ltd., and bounded by on or towards South by part of C.S. No. 2104.

H. S. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 31-5-1975,

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Madan Lal Khanna, s/o Shri Lal Chand Khanna r/o 74/2, Janpath, New Delhi and karta of the H.U.F.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 29th May 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/838/75-76/838.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30-B/78 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 18/2/1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in plot No. 30-B/78, Punjabi Bagh, New Delhi measuring 1/2 of 2255.55 sq. yds. in the area of Village Bassaidarapur, Delhi State and is bounded as under :—

North—Main Road No. 78  
South—Service Lane  
East—Plot No. 30A  
West—Plot No. 30C

C. V. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 29th May, 1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 29th May 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/839/75-76/842.—Whereas, I C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 6 Block No. 49 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 16/12/1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

1—126GI/75

(1) Smt. Harsharan Kaur w/o Shri Jagit Singh, r/o 2322/2, Rup Chand Street, Sanuri Gate, Patiala (Punjab).

(Transferor)

(2) Dr. Madan Mohan Babbar S/o Late L. Amar Nath Babbar, r/o 49/6, East Patel Nagar, New Delhi at present at Lusaka, Zambia through his duly appointed general Attorney Shri Tilak Raj Dhawan s/o Shri Chaman Lal Dhawan, Sector 12 House No. N-1, R. K. Puram, New Delhi.

(Transferee)

(3) Nil

(4) Shri Tilak Raj Dhawan son of Shri Chaman Lal Dhawan, r/o Sector 12 House No. N-1, R. K. Puram, New Delhi.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 200 sq. yds. and the leasehold rights contained therein known as House No. 6, Block No. 49 East Patel Nagar, New Delhi with and including a single storeyed house constructed thereon bounded and abutted on all sides as under :—

East—House No. 7

West—Lane

South—Approach Road

North—Service lane

C. V. GUPTE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 29th May, 1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
4-A/14, ASAFA ALI ROAD 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi; the 29th May 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/840/75-76/845.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2072-76 situated at Dariba Khurd, Near Maliwara, Ch. Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27/12/1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sohan Lal s/o Shri Raja Ram r/o 409, Katra Maidgran, Bazar Khari Baoli Delhi self and attorney of Smt. Sukha Devi w/o Sh. Sohan Lal.

(Transferor)

(2) Smt. Misri Devi w/o Sh. Hari Chand r/o 376, Haider Kuli, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3 storeyed building at No. 2072-76, Dariba Khurd, Near Maliwara, Chandni Chowk, Delhi along with the land measuring 87 sq. yds. on which it is constructed.

C. V. GUPTE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 29th May, 1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 29th May 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/841/75-76/847.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 477/A-1 situated at Village Bassai Darapur, New Delhi-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27/12/1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shukuntla Aggarwal w/o Shri. Gobind Ram Aggarwal, 477/A-1, Bassai Darapur, New Delhi-15.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Lata Goel w/o Shri Ram Bilash Goel, r/o E-47, Bali Nagar, New Delhi-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 477/A-1 situated in the Village Bassai Darapur, Delhi State, Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North—Lane 15 ft.

South—Property of others.

East—House of S. Partap Singh

West—Land of Sobha

C. V. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 29th May, 1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (S.)  
ACQUISITION RANGE II,  
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR  
NEW DELHI

New Delhi, the 29th May 1975,

Ref. No. IAC/Acq. II/842/75-76/849.—Whereas, I C. V. Gupte, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-39 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 18/3/1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nand Lal Chachra s/o Shri Kanhaiya Lal.  
2. Shri Prithvi Raj Sethi s/o Shri Bhagwan Dass Sethi, residents of 20 Iqbalpur Lane, Calcutta-23.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh s/o Shri Prem Singh, r/o C-21, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free hold plot No. E-39 measuring 244.5 sq. yds. situated in the area of village Bassai Darapur abadi of Bali Nagar an approved colony on Najafgarh Road, New Delhi and bounded as under :—

North—Road 30' wide  
South—Lane  
East—Road 30' wide  
West—Plot No. 40

C. V. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi

Date : 29th May, 1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bhirgu Narain

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shiv Gulabi Devi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. 64-S/Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-3-4B situated at Hospital Road, Jagdishpur Ballia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Ballia on 30/9/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act (27 of 1957);

in pursuance of section 269C of the said Act, may initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

12—126 GI /75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. B-3-4-B alongwith 1/4 acre of agricultural land situated at Hospital Road Jagdishpur Shahr Ballia.

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 22-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Kartar Singh and others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1975

Ref. No. 32-K 'Acquisition.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.—situated at Mohalla Tarin Behadur Ganj Shahjahanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahjahanpur on 8-10-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

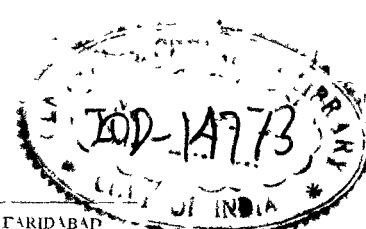
Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquirement of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of the section 269D of the said Act, the following persons namely :—

(1) Shri Sharafat Ullah Khan.

(Transferor)

Date : 15-5-1975.

Seal :

BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD  
PRINTED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1975